हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 62, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 30 अगस्त, 2023 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

मुख्यमंत्री के लिए नोएडा 'मनहूस', ये अफवाह अफसरशाही की देन : योगी

लखनऊ। देश के प्रमुख औद्योगिक संगठन फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा को मुख्यमंत्री के लिए मनहूस शहर का तमगा अफसरशाही की देन है क्योंकि उन्होंने इस शहर को लूट का अड्डा बना रखा था। यहां कोई मुख्यमंत्री ना आए इसलिए नोएडा को मनहूस बताकर दूर रखा जाता था। इस मिथक को उन्होंने यह कहते हुए तोड़ दिया कि कुर्सी पर जिंदगी भर के लिए बैठने नहीं आया हूं। अगर नोएडा जाने मात्र से मुख्यमंत्री की कुर्सी कल जाती हो तो आज चली जाए लेकिन वह नोएडा जाकर रहेंगे। नतीजा सामने हैं हर रोज मरता हुआ शहर आज जीवंत हो उठा है। प्रदेश में 38 साल बाद फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब भी किसी औद्योगिक संगठन के कार्यक्रम के रूप में फिक्की की ही बैठक में गए थे। पहली बार मुख्यमंत्री बनने के नाते वहां उद्यमियों से क्या कहना है इसे लेकर उन्होंने तत्कालीन मुख्य सचिव और आईडीसी से पूछा तो जवाब मिला कि केवल

आश्वासन दे दीजिए जैसा पिछले मुख्यमंत्री करते आए हैं बस... इस पर योगी ने कहा कि वह यहां केवल आश्वासन देने नहीं आए हैं बल्कि जो कहेंगे वह करके दिखाएंगे। लगातार तालियों से गूंजते सभागार के बीच उन्होंने कहा कि बिजनौर और आगरा को लेकर भी तमाम तरह की धारणाएं फैलाई गई थीं। आगरा के सर्किट हाउस में भूत घूमते हैं यह कहकर रात में मुख्यमंत्री को टिकने नहीं दिया जाता था। योगी ने कहा कि उन्होंने जिद पकड़ ली कि वह आगरा के सर्किट हाउस में ही ठहरेंगे और भूतों के साथ संवाद करेंगे। वह वहां रात में रुके और और इस मिथक को भी तोड़ा। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले न केवल औद्योगिक जगत के लोगों बल्कि यहां के युवाओं के सामने भी पहचान का संकट खड़ा हो गया था। रोजगार के अवसर नहीं थे। नई इंडस्ट्री तो छोड़िए पुरानी इंडस्ट्री भी यहां से जाने की तैयारी कर रही थी। माफियाओं का कब्जा था। आज ना तो किसी उद्यमी के पास फिरौती के लिए किसी में फोन करने का दम है और न ही कोई किसी भी फैक्ट्री को बंद करने की धमकी दे सकता है। यही जीरो टॉलरेंस नीति है जिसके दम पर आज उत्तर प्रदेश तेजी से विकसित राज्य बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहा है।

मोदी कैबिनेट का वैज्ञानिकों को सलाम; अनुराग ठाकुर बोले- यह वैश्विक मंच पर हमारी ताकत का प्रतीक

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की सराहना करते हुए प्रस्ताव पारित किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस कर चंद्रयान-3 मिशन के लिए काम करने वाले इसरो वैज्ञानिकों की ऐतिहासिक सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि कैबिनेट चंद्रयान और इसरो के वैज्ञानिकों को सलाम करती है। बता दें कि इसरो द्वारा बनाए गए कीर्तिमान को हमेशा याद रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाने का एलान किया था। अब मोदी कैबिनेट ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट चंद्रयान-3 मिशन के लिए काम करने वाले इसरो वैज्ञानिकों की ऐतिहासिक सफलता की सराहना करती है। यह वैश्विक मंच पर हमारी ताकत का प्रतीक है। यह (कैबिनेट) 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाने के कदम का भी स्वागत करती है। बता दें कि भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है।

यूपी में सनसनीखेज वारदात : बहन से छेड़खानी के विरोध पर 10वीं के छात्र की पीट-पीटकर हत्या, पांच आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज के खीरी में चचेरी बहन से छेड़खानी के विरोध पर 10वीं के छात्र सत्यम शर्मा(16) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने बीच सड़क पर घेरकर उस पर पटरे से हमला किया, जो गैरसमुदाय से हैं। हत्याकांड के सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में नामजद दो आरोपियों समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज को पुलिस आयुक्त ने सस्पेंड कर दिया है। वहीं, मृतक छात्र सत्यम के परिजन शव वापस ले जाने की मांग को लेकर खीरी चौराहे पर पहुंच गए। उन्होंने जाम लगा दिया। इससे पहले परिजनों ने थाने का घेराव किया था। जिस पर पुलिस अफसरों ने समझाकर वापस भेज दिया था। इलाके में तनाव बना हुआ है। भारी पुलिसबल तैनात है। मृतक छात्र पुरादत्तु गांव निवासी मनोकामना शर्मा का बेटा था। उसके पिता का निधन हो चुका है। वह परमानंद इंटर कॉलेज में पढ़ता था। उसकी चचेरी बहन भी इसी स्कूल की 10वीं की छात्रा है। उसने बताया कि सोमवार को स्कूल बंद होने के बाद भाई-बहन वापस घर जा रहे थे। तुर्कपुरवा मोहल्ले में पहुंचे थे कि तभी उसी मोहल्ले के रहने वाले गैरसमुदाय के कुछ युवकों, जो स्कूल के ही छात्र हैं, ने छात्रा का हाथ पकड़कर खींचने का प्रयास किया। बहन ने शोर मचाया तो सत्यम मनचलों से भिड़ गया। इस पर उन्होंने उस पर हमला बोल दिया। घेरकर पटरे से पीट-पीट कर तब तक मारा जब तक कि वह बेसुध होकर जमीन पर गिर नहीं पड़ा।

इसके बाद हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले। घायल सत्यम आधे घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा। इसके बाद किसी ने सूचना दी तो खीरी पुलिस पहुंची। हालत गंभीर देख परिजनों के पहुंचने से पहले ही छात्र को लेकर एसआरएन के लिए रवाना हो गई। हालांकि, वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उधर मौके पर पहुंचे परिजनों को बेटे की मौत की खबर मिली तो वह आक्रोशित हो उठे। उधर, जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जुट गए और शव वापस लाने व आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किए जाने की मांग को लेकर खीरी चौराहे पर जाम लगा दिया। इससे खीरी-कोहड़ार व खीरी-नारीबारी मार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया। जानकारी पर आसपास के थानों की फोस लेकर एसीपी कौंधियारा राजीव यादव भी आ गए। वह परिजनों को समझाते रहे, लेकिन बात नहीं बनी।

घोसी विधानसभा में गरजे अखिलेश यादव, कहा- I.N.D.I.A गठबंधन से घबराई हुई है भाजपा

मऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को घोसी विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने घोसी विधानसभ के सभी मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि लोकतंत्र में अपने वोट का भरोसा तोड़ने वालों को घोसी विधानसभा की जनता सबक सिखाएगी। घोसी उपचुनाव में प्रचार के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीएम मोदी और सीएम योगी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "इनसे ज्यादा झूठ बोलने वाली कोई पार्टी नहीं है, जो लोग लाल किले से झूठ बोलते हों, लखनऊ से झूठ बोलते हों...।" अखिलेश यादव ने कहा, "जबसे समाजवादी और देश के दल एक हो गए, जबसे I.N.D.I.A गठबंधन बना है, लोग घबराए हुए हैं कि 'इंडिया' गठबंधन कैसे बन गया।" अखिलेश यादव ने दारा सिंह चौहान का नाम लिए बिना उनपर निशाना

साधा, कहा, "घोसी विधानसभा के मतदाताओं ने मन बना लिया है। जिन लोगों ने पलायन किया है और लोकतंत्र में वोटों का विश्वास तोड़ा है, इस बार घोसी की जनता उन्हें सबक सिखाने जा रही है।" अखिलेश ने कहा, "तमाम मंत्री आ रहे हैं धोखा देने, अपनी उपलब्धियां नहीं बता रहे हैं। किसान जो अपनी पैदावार की चिंता में डूबा है इस फसल की कीमत कैसे मिले? मंत्री जो घूम रहे हैं सरकार के, किसी को ये नहीं बता पाए कि डीजल सस्ता मिलना चाहिए किसान को।" सपा मुखिया ने जनसभा को संबोधित करते हुए आगे कहा, "हिसाब किताब तो बीजेपी को दिल्ली की 10 साल की सरकार और उत्तर प्रदेश की 6 साल की सरकार का देना है। बताओ घोसी की जनता इन सालों में आपको कोई सुविधा दे पाई बीजेपी? अगर बीजेपी ने सुविधाएं दी होती तो आज इतने मंत्रियों की फौज नहीं उतारती पड़ती यहां पर।"

पीएम पर लालू यादव के बिगड़े बोल, कहा- मुंबई में नरेंद्र मोदी के नरेटी पर चढ़ने जा रहे हैं हमलोग

पटना। मुंबई में विपक्षी दलों की आयोजित होने वाली बैठक से पहले राजद सुप्रीमो लालू यादव के बिगड़े बोल। लालू यादव ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हम लोग मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नरेटी (गला) पर चढ़ने जा रहे हैं।' राजद सुप्रीमो लालू यादव से जब पटना में पत्रकारों ने मुंबई में विपक्ष की होने वाली बैठक के बारे में पूछा गया तो तो उन्होंने कहा, "मुंबई में नरेंद्र मोदी के नरेटी (गला) पर चढने जा रहे हैं हम लोग। नरेंद्र मोदी का नरेटी पकड़े हुए हैं हम, हटाना है।" लालू यादव के साथ ही खड़े उनके बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से जब जातीय गणना मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल केंद्र के हलफनामे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस हलफनामे से भाजपा के लोगों का असली चेहरा सामने आ गया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जातीय गणना के मामले में हलफनामा रातों रात बदल गया। इससे पता चलता है कि भाजपा डरी हुई है। केंद्र सरकार कभी भी जातीय गणना कराना नहीं चाहती। तेजस्वी ने पूछा, भाजपा किससे डरती है? हलफनामा क्यों दायर किया गया?

कब मिलेगा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा? सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा- समयसीमा बताएं

नई दिल्ली। अनुच्छेद-370 पर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को भी अनुच्छेद-370 पर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कब किया जाएगा। इसे लेकर समय सीमा बताएं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार अपना रुख स्पष्ट करे। वहीं, केंद्र सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला स्थायी नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब हालात सामान्य होंगे तो जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाया जाएगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ अनुच्छेद 370 को रद्द करने के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई

कर रही है। इसके अलावा याचिकाकताओं ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने को लेकर भी चुनौती दी है, जिस पर भी सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ सुनवाई कर रही है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आर्टिकल-370 पर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पूर्व में जो राज्य था, उसे केंद्र शासित प्रदेश नहीं बना सकते। सुप्रीम कोर्ट ने इसे एक राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताया है। साथ ही सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश का संरक्षण ही सर्वोपरि चिंता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा स्थायी नहीं है, लेकिन लद्दाख का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा कुछ समय बरकरार रहेगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह पीठ को 31 अगस्त तक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश स्थिति के भविष्य को लेकर जानकारी देंगे।

प्रयागराज हत्याकांड का मामला गरमाया, डंडा लेकर थाने पहुंची महिलाएं; आरोपितों के घर बुलडोजर चलाने की मांग

प्रयागराज। छेड़खानी के विरोध में चचेरे भाई की नृशंस हत्या को लेकर ग्रामीणों का हंगामा आज भी जारी है। लाठी, डंडा लेकर तमाम महिलाएं खीरी थाने में घुसने का प्रयास कर रही हैं। आक्रोशित भीड़ आरोपित ग्राम प्रधान मोहम्मद यूसुफ और मोहसिन सहित अन्य के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रही है। मामला दो समुदाय के बीच होने के कारण इलाके में तनाव व्याप्त है। पुलिस अभी तक आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा सहित कई अधिकारी सोमवार रात से ही खीरी में डेरा डाले हुए हैं। खीरी के पुरादत्तू गांव निवासी एक छात्रा सोमवार शाम चचेरे भाई के साथ स्कूल से लौट रही तभी उससे छेड़खानी की गई। चचेरे भाई ने जब विरोध किया तो दूसरे समुदाय के कुछ लड़कों ने उसे पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने मौके से किशोर को घायल बताते हुए हटा दिया जिससे घरवालों के साथ ही ग्रामीण नाराज हो गए और खीरी चौराहे पर चक्का जाम कर दिया था। देर रात पीड़ित परिवार तहरीर पर ग्राम प्रधान मोहम्मद यूसुफ व मोहसिन और दो अज्ञात के खिलाफ हत्या, छेड़छाड़ समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

राखी-ओणम पर जनता को तोहफा : गैस सिलेंडर 200 सस्ता, उज्ज्वला लाभार्थियों को 400 की छूट

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार महंगाई की मार झेल रही जनता को राहत देने के लिए रक्षाबंधन और ओणम पर बड़ा एलान किया है। गैस सिलेंडर की कीमतों में सभी उपभोक्ताओं को 200 रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 200 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें एक गैस सिलेंडर पर 400 रुपये की छूट मिलेगी। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसका एलान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत लोगों को गैस सिलेंडर पर अलग से 200 रुपये की

सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें कुल 400 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। 200 रुपये की सब्सिडी सभी उपभोक्ताओं को दिए जाएंगे। इससे पहले एक अगस्त को पेट्रोलियम कंपनियों ने व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की गई थी। केंद्रीय मंत्री ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि 75 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन भी दिया जाएगा। उन्हें पाइप और चूल्हा भी मुफ्त में दिए जाएंगे। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि गैस सिलेंडर सस्ता हुआ फिर एक बार, राखी और ओणम पर देश की करोड़ों बहनों को पीएम ने दिया उपहार। कैबिनेट की बैठक के बारे में बताते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि पीएम की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। चंद्रयान मिशन 3 की सफलता ने देश और दुनिया में हमारा रुतबा बढ़ाया है। यह सफलता भारत की प्रगति का प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है। कैबिनेट ने चंद्रयान 3 जुड़े हर व्यक्ति की सराहना की है।

बसपा से निकाले गए इमरान मसूद; कांग्रेस में जाने की अटकलें, बोले- लोगों से सलाह लेकर फैसला करूंगा

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कद्दावर नेता के रूप में पहचाने जाने वाले और पूर्व विधायक इमरान मसूद द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी तारीफ करने और कांग्रेस से नजदीकी बढ़ाने पर बसपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया है। बसपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर बसपा जिला अध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद ने प्रेस नोट जारी कर इमरान मसूद को पार्टी से निष्कासन की जानकारी दी है।

जिला अध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद में बताया कि इमरान मसूद को पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने और पार्टी विरोधी गतिविधि में लिप्त होने के कारण पार्टी से निष्कासन किया गया है। पार्टी हाई कमान से के निर्देश पर यह निष्कासन हुआ है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जमकर तारीफ कर उन्हें राजनीति में देश का हीरो बताया है। इससे कयास लगाए रहे हैं कि वह फिर कांग्रेस का हाथ थाम सकते हैं। हालांकि, उनका कहना था कि उन्हें बहनजी ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयारी करने के निर्देश दे रखे हैं, फिर भी चाहे जो हो जाए मुझे लोकसभा चुनाव तो हर हाल में लड़ना है। उनका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने से सियासी गलयारों में उनका फिर से पाला बदलने की चर्चा तेज हो गईं हैं। दरअसल, इमरान मसूद ने एक

निजी चैनल से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की खूब तारीफ की। इमरान मसूद बोले कि, राहुल गांधी देश के हीरो हैं, वह देश और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के बारे में सोचते हैं। राहुल गांधी बेखौफ होकर जनता के हित की बात करते हैं। सत्ता परिवर्तन जरूरी है, वर्तमान सरकार से संविधान को खतरा है। एक राहुल गांधी ही हैं, जो हर वर्ग और गरीब के हितैषी हैं।

संपादकीय

नटवरलाल ने भगवान को चकमा दिया

धन्य धन्य वह घरा, जहाँ पतित पावनी गंगा निरंतर, निर्विघ्न निर्मल धारा बह रही है। ऐसी पवित्र को मानव ही रही वरन अनेको संत महापुरुषों नें अवतरित हो जनकल्याण किया है। चाहे वह राम,कृष्ण,कबीर नानक, बुद्ध, महावीर व अन्य संत, महापुरुषों के द्वारा वेद, उपनिषद गीता आदि गंथो का निर्माण कार्य गया। तभी तो भारत को अध्यात्म का देश कहा जाता है। यह अटुट आस्था समपर्ण सेवा त्याग तपर्ण की तपोभुमि में है। हमारे यहाँ अनेकों धर्म सम्प्रदाय के पवित्र पुजा आराध्य स्थलों के मन्दिर, मस्जिद, मठ, गुरुद्वारे चर्च का निंमार्ण श्रद्धालुओं द्वारा किया जाता रहा है। जिसके रख रखाव हेतू प्रबन्धन समिति बनाई जाती है। जो सम्पूर्ण व्यवस्था करती है। धार्मिक स्थलों का रख रखाव का व्यय श्रद्धालुओ द्वारा अपने आराध्य के चरणों अपनी श्रद्धाभक्ति व सार्मथ्य के अनुरूप चढाव के रूप फल प्रसाद के आलावे नकदी, आभूषण सोने-चाँदी, हीरे-मोती तक चढावे के रूप में चढाया करते रहते है। उदाहरण स्वरूप कुछ मन्दिरों में चढावे की झलक इस प्रकार है। महाकालेश्वर मंदिर 200 करोड़ रुपए का चढ़ावा आया था, खाटू श्याम की मूर्ति निकलने के बाद भक्तों की भीड़ लगने लगी है। खुदाई में निकली खाटू श्याम की मूर्ति, कुछ ही घंटे के अन्दर डेढ़ लाख का चढ़ावा आ गया था। साई बाबा मंदिर शिरडी में हर वर्ष 400 करोड़ तक का चढ़ावाआता है। नए साल पर सारे रिकॉर्ड टुट गये थें। आज हम किसी मन्दिर, मठ के चढावे के अपने नाम रिकार्ड बनाने के नाम का नही है बल्कि एक ऐसे नटवर लाल ठग की कहानी बताने जा रहे है। जिसने अपने बुद्धि से ना केवल मन्दिर में विराजमान देवी देवताओं को ऐसे चकमा दिया जिससे मन्दिर प्रबन्धन के नींद उढ़ा कर रख दिया। आप सोच रहे होगे कि अब किस मन्दिर में भगवान के आभुषण सोने-चाँदी, हीरे मोती, या नकदी को ले कर चोर रफ्फु चक्कर हो गया है। ये खबर तो किसी समाचार माध्यम से आप तक नही पहुँच पाई। आप को लग रहा होगा कि मै आप कोई बुरी खबर से अवगत करवाने वाला हुँ।तो आप बिलकूल गलत है। क्या! अरे आप थोड़ी सी धर्य रखे।मै आज आप के समझ ऐसे चुतर चालाक कलयुगी दानवीर भक्त के सातिर करनामे के बारे में बताने जा रहे है। जिसे सुनकर आप के ना केवल होश उढ़ जायेगे,बल्कि आप सोचने को मजबुर हो जायेगे कि कैसे कैसे लोग है। इस संसार में जो इंसान क्या भगवान तक को चुना लगाने से बाज नहीं आते है। खैर अब आप को परेशान ना करते हुए हम सीधे घटना पर आते है। दरअसल, यह मामला विगत दिनों की है। विशाखापट्टनम के सिम्हाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम मंदिर का है। मंदिर में मौजूद दान पात्र में आए चढ़ावे को देखा जा रहा था। इसी दौरान मंदिर प्रबंधन को नोटों के बीच एक चेक मिला। चेक में 100 करोड़ रुपए की राशि लिखी हुई थी। इसे देखकर मंदिर प्रबंधन में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके बाद चेक को कैश कराने के लिए मंदिर प्रबंधन के लोग बैंक में पहुंचे और चेक को कैश करने के लिए दे दिया।कोटक महिंद्रा बैंक के इस चेक को जब बैंक वालों ने चेक जिस खाते से सम्बन्धित था। उसे चेक किया। इसे देख के बैंक के कर्मचारी व मंदिर प्रबंधन के होश उड़ गए। क्योंकि चेक तो 100 करोड़ रुपए का था, लेकिन उससे संबंधित खाते में मात्र 17 रुपए मौजूद थे। यह खबर आग की तरफ फैल गई। परिणाम स्वरूप इस चेक का फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।सोशल मीडिया पर लोग चेक डालने वाले को लेकर तरह-तरह की बात कर रहे हैं। किसी ने ठीक ही कहा है इस संसार में भाँति भाँति तरह के लोग है। कोई भगवान के दरवार में आकर अपना सबकुछ निछावर कर देता है। कुछ लोग मन्दिर में बैठे देवी देवताओं को भी चकमा दे कर रफ्फुचर हो जाते है। तभी तो किसी नें सही कहा है-जाकी रही भावना जैसी, प्रभु नजर आई तिन तेसी। खैर मुझे क्या। फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है ना ही काहुँ से दोस्ती ना ही काहुँ से बैर। खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर॥

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- रामायण और महाभारत में क्या अंतर है? विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- आप ही बताइए अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है हक-हकूक का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

अजीज कुरैशी जैसे लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ रहे हैं

ललित गर्ग

कांग्रेस और उसके नेता लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव आने से पहले अपनी राजनीति चमकाने के लिए समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम शुरू कर दिया हैं। लेकिन धार्मिक व जातीय आधार पर की जा रही इस तरह की जहर उगलने वाली राजनीति के चलते धार्मिक सौहार्द बिगड़ा रहा है। पार्टी के ही एक बुर्जुग नेता और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने विदिशा के एक जलसे में शिरकत करते हुए सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाले कड़वे बोल बोले हैं। क्या उनका भाषण कांग्रेस की विचारधारा को पोषित करने वाला है या पार्टी की उम्मीदों को पलीता लगाने वाला भी साबित हो सकता है। कुरैशी ने कहा कि हिन्दुस्तान में 22 करोड़ मुसलमान हैं और एक-दो करोड़ मर भी जाएं तो कोई बात नहीं...। यह विडंबना ही है कि ऐसे वक्त पर, जब देश और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर शांति-मार्च निकाल रहे हैं ऐसे वक्त में उनके नेता साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचा रहे हैं।

एक तरफ कुरैशी उन्मादी भाषण दे रहे थे, तो दूसरी ओर उसी मध्य प्रदेश के सागर में अपनी चुनावी संभावनाओं को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बड़े वादे व दावे कर रहे थे। क्या यह कांग्रेस का दोगला चरित्र नहीं है? लगता तो यही है कि कुरैशी कांग्रेस की परम्परा एवं सोच को ही आगे बढ़ा रहे हैं। वरना पार्टी में ऐसी संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी सोच पर सख्त पहरेदारी होती तो क्या कुरैशी ऐसा दुस्साहस कर पाते। निश्चित ही पार्टी ही साम्प्रदायिकता एवं जातीयता को बल देती है, तभी एक बुजुर्ग एवं जिम्मेदारी नेता कुरैशी का मुसलमानों ने चूड़ियां नहीं पहन रखीं जैसे बयानों पर पार्टी मौन रह जाती है। ऐसे एक समुदाय विशेष को उकसाने वाले बयान निश्चित ही राजनीतिक प्रेरित होते हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जायेगा, समुदायों को भड़काने वाले बयानों में तीव्रता एवं उग्रता देखने को मिलेगी। चुनावी छाया में लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सामाजिक समरसता को धोने की कुचेष्टाएं बढ़-चढ़ कर देखने को मिलेगी।

यह पहली बार बार नहीं है, जब अजीज कुरैशी ने कोई आपत्तिजनक बयान दिया है। गवर्नर पद पर रहते हुए भी वह भाषायी मयार्दाओं का उल्लंघन कर चुके हैं। लेकिन इस वक्त उनके बयान से उनकी ही पार्टी को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मध्य प्रदेश में चुनावी प्रक्रिया भले न शुरू हुई हो, मगर दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टियां- भाजपा और कांग्रेस जोर-शोर से प्रचार में जुट गई हैं। ऐसे में, अपने बड़बोलेपन एवं उच्छृंखलता से कुरैशी ने विरोधी दल के हाथों में धार्मिक ध्रुवीकरण का एक मुद्दा तो थमा ही दिया है। वैसे इस तरह के उन्मादी एवं विषवमन करने वाले बयानों से कितनी राजनीतिक लाभ की रोटियां सिकती हैं, कहा नहीं जा सकता, लेकिन इनसे सामाजिक समरसता निश्चित ही धुंधलाती है। ऐसा नहीं कि कुरैशी इस हकीकत से अनभिज्ञ हैं, मगर सस्ती लोकप्रियता की चाह और तालियों की भूख सियासी लोगों को हमेशा जिम्मेदारी एवं राष्ट्र के प्रति वफादारी से दूर करती है। भले ही कुछ लोग जाति, धर्म के नाम पर समाज में घृणा फैलाते हों पर इसी समाज में ऐसे लोग भी हैं जिनकी बदौलत देश और समाज में परस्पर प्रेमपूर्वक मिल-जुल कर रहने की भावना जिंदा है। जहां एक ओर देश में जाति और धर्म के नाम पर कुछ लोग नफरत फैला कर अपने कृत्यों से माहौल बिगाड़ रहे हैं, वहीं अनेक स्थानों पर हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के सदस्य भाईचारे और सद्भाव के अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रहे हैं। जहां हरियाणा के मेवात क्षेत्र का नूंह बजरंग दल-विहिप के जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा से दहल गया था, वहीं देश और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर शांति-मार्च निकाल रहे हैं।

बीते शुक्रवार को ही मुंब्रा कौसा के शांति-मार्च में हजारों मुस्लिमों ने शिरकत की थी। उससे पहले नूंह, मेवात में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद दोनों समुदायों के लोग हाथ में हाथ डालकर जिस तरह खड़े हुए, उससे देश के अमनपसंद लोगों का यह यकीन फिर बहाल हुआ कि चंद सिरफिरे लोग अपनी हरकतों से इस देश के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट नहीं पहुंचा सकते। ऐसे में, कुरैशी के आपत्तिजनक बयान की निंदा ही नहीं, घोर भर्त्सना की जानी चाहिए। देश आज चांद पर अपने यान उतारने के जश्न की तैयारी में जुटा है, दिल्ली में जी-20 का विश्व हस्तियों का आयोजन हो रहा है तब किसी संकीर्ण साम्प्रदायिकता को पंख फैलाने से रोकना जरूरी है। मगर जिस तरह से कुरैशी ने देश में अल्पसंख्यकों की उपेक्षा का हवाला देते हुए विषवमन किया, उसको सहजता में नहीं लिया जा सकता। कुरैशी जैसे संकीर्णतावादी लोगों को यह याद दिलाने की जरूरत है कि भारत की तरक्की में सभी समुदायों के होनहार-समर्पित, अमन परस्ती लोगों का योगदान है लेकिन कुरैशी जैसे तथाकथित अवसरवादी एवं साम्प्रदायिकतावादी अपने राजनीतिक लाभ के लिये देश तोड़क बातों से अपने-अपने समुदायों का ही नुकसान करते हैं। भारत को अपनी गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से लड़ने के लिए सामाजिक भाईचारे की आज पहले से कहीं ज्यादा आवश्यकता है। आज भारत आगे बढ़ रहा है, तरक्की कर रहा है, गरीबी दूर हो रही है, शिक्षा का विस्तार हो रहा है, विकास की नयी गाथाएं लिखी जा रही है, जिसका लाभ सभी को मिलेगा, मुस्लिम समुदाय भी उसमें बराबर का हिस्सेदार होगा। बावजूद इससे यह वाकई अफसोसजनक है कि उम्र के जिस पड़ाव पर कुरैशी आज खड़े हैं, उन्हें अपने अनुभवों से अपनी समुदाय के लिए सौहार्द एवं सद्भावना की नई खिड़कियां खोलनी चाहिए थीं, मगर वह उकसाने वाली बोली बोल रहे हैं। हालांकि, यह एक मजहब या बिरादरी की बात नहीं है, सभी धर्मों और बिरादरियों में ऐसे ख्याल के लोग मौजूद हैं। जरूरत उन्हें आईना दिखाते रहने की है कि तरक्की एवं अमन का रास्ता खून-खराबे से नहीं, भाईचारे, सौहार्द और साझेदारी से होकर ही नये दरवाजे खोलता है।

हर जगह साम्प्रदायिक हिंसा फैलाने में अपना हित साधने वालों की भी कमी नहीं होती। बाइस करोड़ में बाइस सौ भी कुरैशी जैसे संकीर्ण लोग नहीं होंगे, इनमें भी राजनेताओं से लेकर वे लोग भी शामिल होते हैं जो खुद को धर्म का ठेकेदार कहलाना पसंद करते हैं। इन चंद लोगों से ही पूरी कौम की बदनामी होने से बचाना होगा। सांप्रदायिक सद्भाव और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रत्येक देशवासी को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि प्रेम से प्रेम, द्वेष से द्वेष, नफरत से नफरत, घृणा से घृणा और विश्वास से विश्वास का जन्म होता है। हमें सोचना चाहिए कि हम अच्छे हिंदू, मुसलमान, सिक्ख या ईसाई अथवा किसी अन्य संप्रदाय के सदस्य होने के साथ-साथ अच्छे भारतवासी भी हैं। हमें यह जानना चाहिए कि सभी धर्म आत्मिक शांति के लिए भिन्न-भिन्न उपाय और साधन अपनाते हैं। सभी धर्मों में छोटे-बड़े का भेद अनुचित ही माना गया है। सभी धर्म और उनके प्रवर्तक सत्य, अहिंसा, प्रेम, समता, सदाचार और नैतिकता पर बल देते रहे हैं इसलिए सच्चे धर्म के मूल में भेद नहीं है। फिर कुरैशी जैसे लोग क्यों इंसान से इंसान को बांटने की कुचेष्टा करते हैं।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन

विजय कुमार जैन

भारतीय संस्कृति में पर्वों का प्राचीनकाल से विशेष महत्व रहा है। प्रत्येक त्यौहार के साथ धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं का संयोग प्रदर्शित होता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी अपना संदेश आम जनता तक पहुँचाने के लिये त्यौहारों एवं मेलों का मंच के रूप में उपयोग होता था। हम चर्चा कर रहे हैं ऐसे ही पर्व रक्षाबंधन की। रक्षाबंधन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रमुख त्यौहार माना जाता है जो श्रावण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपनी रक्षा के लिये भाई को राखी बांधती है।

यह पर्व मात्र रक्षा का संदेश नहीं देता, अपितु प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के द्वारा हृदयों को भी बांधने का वचन देता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है मयि सर्व मिदंप्रोक्तं सूत्रे मणिगणाइव अर्थात सूत्र अविच्छिन्नता का प्रतीक है क्योंकि सूत्र/धागे बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला में एकाकार बनाता है। माला के सूत्र की तरह रक्षासूत्र भी लोगों को जोड़ता है। पुराणों में रक्षाबंधन का उल्लेख मिलता है। रक्षा हेतु इन्द्राणी ने इन्द्र सहित देवताओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और इन्द्र ने राक्षसों से युद्ध में विजय पायी। एक कथा के अनुसार राजा बलि को दिये वचन अनुसार भगवान विष्णु बैकुंठ छोड़कर बलि के राज्य की रक्षा के लिये चले गये। तब देवी लक्ष्मी ने ब्राह्मणी का रूप धर श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा, उनके कहने पर बलि ने भगवान विष्णु से बैकुंठ लौटने की विनती की। रावण की बहन शूर्पणखा लक्ष्मण के द्वारा नाक काटने के पश्चात रावण के पास पहुंची और खून से मैली साड़ी का एक छोर रावण की कलाई में बांध दिया और कहा भैया जब-जब आप अपनी कलाई को देखोगे आपकी अपनी बहन का अपमान याद आयेगा और मेरी नाक काटने बालों से तुम बदला ले सकोगे। भगवान श्री कृष्ण के हाथ में चोट लगने पर एक बार द्रौपदी ने अपनी चुनरी का किनारा फाड़ कर घाव पर बांध दिया था।

दुशासन द्वारा द्रौपदी का चीरहरण प्रयास इसी बंधन के प्रभाव से असफल हुआ। श्री कृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की। युधिष्ठिर ने एक बार श्रीकृष्ण से पूछा कि वह महाभारत के युद्ध में कैसे बचेंगे , जवाब में श्री कृष्ण ने कहा राखी का धागा ही तुम्हारी रक्षा करेगा। सिकन्दर व पौरस के युद्ध के पूर्व रक्षा सूत्र का आदान प्रदान हुआ था। दोनों ने रक्षा सूत्र की मयार्दा का पालन किया था। मुगल काल में मुगल सम्राट हुमायूँ चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण करने बढ़ा तो राणा सांगा की विधवा कर्मवती ने हुमायूँ को

राखी भेजकर अपनी रक्षा का वचन लिया। हुमायूँ ने इसे स्वीकार कर-के चित्तौड़ पर आक्रमण का विचार मन से निकाल दिया और आगे राखी का वायदा निभाने के लिये चित्तौड़ की रक्षा हेतु गुजरात के बादशाह से भी युद्ध किया।

स्वाधीनता आन्दोलन में भी बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधकर देश को आजाद कराने का वचन लिया। सन 1905 में बंग-भंग आन्दोलन का शुभारंभ एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर हुआ। आजादी के आन्दोलन की एक घटना चन्द्रशेखर आजाद से जुड़ी हुई है। आजाद एक तूफानी रात शरण लेने एक विधवा के घर पहुंचे। पहले तो उसने उन्हें डाकू समझकर शरण देने से मना कर दिया। बाद में यह पता चलने पर कि वह क्रांतिकारी आजाद है तो ससम्मान उन्हें घर के अंदर ले गई। बातचीत के दौरान आजाद को पता चला कि उस विधवा को गरीबी के कारण जबान बेटी की शादी हेतु काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।। यह जानकर आजाद को वहुत दुख हुआ। उन्होंने विधवा को प्रस्ताव दिया कि मेरी गिरफ्तारी पर पाँच हजार रुपये का इनाम है, तुम मुझे अंग्रेजों को पकड़वा दो और उस इनाम से बेटी की शादी कर देना, यह सुनकर विधवा रो पड़ी व कहा भैया तुम देश की आजादी हेतु अपनी जान हथेली पर रखकर चल रहे हो और न जाने कितनी बहू-बेटियों की इज्जत तुम्हारे भरोसे है, मैं हरगिज ऐसा नहीं कर सकती। यह कहते हुए उसने एक रक्षा सूत्र आजाद के हाथ पर बांधकर देश सेवा का वचन लिया। सुबह जब विधवा की आँख खुली तो आजाद जा चुके थे और तकिये के नीचे पाँच हजार रुपये रखे हुए थे, साथ ही उसके साथ एक पर्चा रखा था जिस पर लिखा था कि अपनी प्यारी बहन हेतु एक छोटी सी भेंट - आजाद। भारत में रक्षाबंधन का त्यौहार अलग अलग तरीकों से अपनी मान्यता अनुसार मनाया जाता है। मुंबई के समुद्री क्षेत्रों में नारियल पूर्णिमा या कोकोनट फुलमून के नाम से मनाया जाता है। उत्तराखंड के चम्पावत जिले के देवीधूरा में राखी पर्व पर बाराहीदेवी को प्रसन्न करने के लिये पाषाणकाल से ही पत्थर युद्ध का आयोजन किया जाता है। इस युद्ध में आज तक कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। प्राचीन काल में मुनि अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर असुरों द्वारा हस्तिनापुर में उपसर्ग किया। सभी मुनियों को बंदी बनाकर बलि देने का निर्णय लिया। मुनि विष्णु कुमार को इसका पता चला तो उन्होंने अपनी वैक्रिया ऋद्धि के द्वारा असुर शक्तियों को निर्बल किया तथा 700 मुनियों की मुनि अकम्पनाचार्य सहित रक्षा की। मुनियों की रक्षा की स्मृति में यह रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। 700 जैन मुनियों की रक्षा हुई थी, रक्षाबंधन पर्व का नाम करण जैनाचार्य संत शिरोमणी विद्या सागर जी के परम प्रभावक शिष्य निर्यातक मुनि सुधा सागर जी श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस किया है।इस दिन जैन मंदिरों में 700 मुनियों की रक्षा के उपलक्ष्य में श्रमण रक्षा विधान पूजन किये जाते है। सभी 700 जैन मुनियों का स्मरण कर उन्हें अर्घ चढ़ाये जाते हैं। मुनि सुधा सागर जी जिस तीर्थ या नगर में चातुर्मास करते हैं वहाँ श्रमण संस्कृति रक्षा विधान पूजन भक्ति भाव से उनके पावन सानिध्य की जाती है। 30 अगस्त को आगरा महानगर में श्रमण संस्कृति रक्षा विधान मुनि सुधा सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में भक्ति भाव से आयोजित किया जा रहा है।

चुनावों से पहले अखिलेश को सपने में श्रीकृष्ण आते थे, अब स्वामी प्रसाद मौर्य कह रहे हैं हिंदू धर्म छलावा है

नीरज कुमार दुबे

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य कभी श्रीरामचरितमानस का अपमान करते हैं, कभी चारों धामों में से एक बद्रीनाथ धाम को लेकर अनर्गल बयानबाजी करते हैं तो कभी वह ब्राह्मणों का अपमान करते हैं। इस सबसे आगे जाकर अब स्वामी प्रसाद मौर्य ने दावा कर दिया है कि हिंदू नाम का कोई धर्म ही नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ब्राह्मणवाद की जड़ें बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने ज्ञान के आधार पर कहा है कि हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। स्वामी प्रसाद मौर्य का दावा है कि सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर इस देश के दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। उनका कहना है कि अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता है, दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता, लेकिन क्या विडंबना है.....।

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान पर यही कहा जा सकता है कि समाजवादी पार्टी ने हिंदुओं को उकसाने और हिंदू धर्म का अपमान कर तुष्टिकरण की राजनीति के तहत एक पक्ष का एकमुश्त वोट पाने के लालच में जो खेल रचा है वह बेहद खतरनाक है। इससे समाजवादी पार्टी को भले एक पक्ष का एकमुश्त वोट मिल जाये लेकिन समाज विभाजित हो जायेगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव वैसे तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन जब-जब स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुँचाते हैं तब-तब वह चुप्पी साध लेते हैं। अखिलेश यादव की चुप्पी पर हैरत इसलिए होती है क्योंकि विधानसभा चुनाव से पहले वह दावा करते थे कि भगवान श्रीकृष्ण उनके सपने में आते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि परिस्थितियां दर्शा रही हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बड़बोलेपन को अखिलेश की सहमति है। वैसे भी बिना नेतृत्व की सहमति के कोई पार्टी पदाधिकारी इस तरह के बयान दे ही नहीं सकता। हम आपको याद दिला दें कि जनता की अदालत में पिट चुके स्वामी प्रसाद का समाजवादी पार्टी में रुतबा भी अखिलेश यादव ने तभी बढ़ाया था जब मौर्य ने श्रीरामचरितमानस के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी। वैसे, हिंदू धर्म को धोखा बताने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य की बातों से लगता है कि उन्हें हिंदू शब्द का अर्थ ही पता नहीं है। इसलिए स्वामी प्रसाद मौर्य को समझना होगा कि जो आदमी भारत में पैदा हुआ है, जो व्यक्ति यहां का अन्न खाता है और यहां की नदियों का पानी पीता है, वह हिंदू ही है? स्वामी प्रसाद मौर्य को समझना होगा कि राष्ट्र में जीवन के अद्वितीय आध्यात्मिकता-केंद्रित दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर हिंदू नाम से जाना जाता है, जिसके कारण यह राष्ट्र हिंदू है और इसका विशेषण सनातन है। स्वामी प्रसाद मौर्य को समझना होगा कि भारत की सारी आबादी हिंदू समाज ही है, चाहे उनका धर्म और संस्कृति अथवा पूजा पद्धति कुछ भी हो। स्वामी प्रसाद मौर्य को समझना होगा कि हिंदू, हिंदुत्व या हिंदू राष्ट्र शब्द हमारे द्वारा नहीं, बल्कि उन लोगों द्वारा दिया गया था, जिन्होंने भारत देश को बाहर से देखा और हमें हिंदू के रूप में अलग करने के लिए हमारी इस विशिष्टता को नाम दिया।

बहरहाल, जहां तक स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से ब्राह्मणों पर किये गये हमले की बात है तो उन्हें समाजवादी पार्टी के उस ऐलान पर भी जवाब देना चाहिए जो 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले किया गया था। उस समय ब्राह्मण समुदाय को लुभाने की कोशिश में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में भगवान परशुराम की मूर्तियाँ लगवाने का ऐलान किया था। यही नहीं, लखनऊ में तो 108 फुट ऊंची भगवान परशुराम की प्रतिमा लगवा भी दी गयी थी। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी के तीन ब्राह्मण नेताओं- अभिषेक मिश्र, माता प्रसाद पांडे और मनोज पांडे को जिम्मेदारी सौंपी थी कि ब्राह्मणों को सपा के पक्ष में एकजुट किया जाये। इसके अलावा समाजवादी पार्टी दिवंगत जनेश्वर मिश्र के नाम पर भी ब्राह्मणों को लुभाने का प्रयास करती रहती है। इसलिए अखिलेश यादव को भी जवाब देना चाहिए कि ब्राह्मणों के लिए जो ऐलान विधानसभा चुनावों से पहले किये जा रहे थे क्या वह सब फर्जी थे? अखिलेश यादव को बताना चाहिए कि ब्राह्मणों के बारे में जो स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है क्या पार्टी उससे इत्तेफाक रखती है?

जिलाधिकारी ने बैठक कर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन का लिया जायजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन की बैठक सोमवार को अपराह्न 3.30 बजे राइफल क्लब, गाजीपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न बिन्दूओ पर चर्चा एवं निर्णय लिया गया। सचिव/उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, गाजीपुर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि दिनांक 15.08.2023 को मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की घोषणा की गयी तथा योजना का उद्घाटन दिनांक 17.09.2023 को विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर किया जायेगा। आन लाइन पंजीकरण पोर्टल पर 16 सितंबर 2023 तक किया जायेगा। जनपद-गाजीपुर का लक्ष्य-1500 निर्धारित किया गया है, जिसमें विभिन्न ट्रेड शामिल है। जिसमें दर्जी, कुम्हार, नाई, सोनार, मोची/चर्मकार/ जूता बनाने वाले, मूर्तिकार(पत्थर), बढ़ई(सुथार), राजमिस्त्री, लोहार, डलिया(टोकरी)/ चटाई/झाड़ू बनाने वाले,नाव बनाने वाले,गुडिया और खिलौना बनाने वाले,ताला बनाने वाले, मालाकार, हथौला व टूलकिट बनाने वाले, घोबी, अस्त्र बनाने वाले, मछली का जाल बनाने वाले शामिल है। बैठक में इस योजना हेतु आवेदक की योग्यता/पात्रता की शर्ते बताते हुए कहा कि इस योजना में हस्तषिल्पी/क्राफ्टमैन परिवार आधारित पारम्परिक

व्यवसाय से जुड़ा होना चाहिए, हस्तषिल्पी/क्राफ्टमैन द्वारा हस्तचालित यंत्रों का प्रयोग किया जाता हो, हस्तषिल्पी/क्राफ्टमैन की न्यूनतम आयु 18 वर्श के ऊपर होनी चाहिए,आवेदक हस्तषिल्पी/क्राफ्टमैन भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार की योजनाएं जैस-प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अथवा अन्य किसी योजना में विगत 5 वर्शों से ऋण प्राप्त न किया हो। मुद्रा एवं स्वनिधि योजना में ऋण चुकाने वाले लाभार्थी पात्र होगें। 5 वर्श की गणना ऋण स्वीकृति की तिथि से किया जायेगा। इस योजना मे परिवार का एक ही व्यक्ति लाभ हेतु पात्र होगा जिसमे परिवार से तात्पर्य पति-पत्नी और अविवाहित बच्चे से है उन्होने बताया कि सरकारी सेवा में योजित व्यक्ति का परिवार इस योजना हेतु पात्र नही होगें। इस योजना में आवेदक के पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो जिसमें आधार कार्ड,मोबाइल नम्बर , बैंक खाता का विवरण(आवेदक के पास खाता नम्बर न होने की दशा में पंजीकरण से पूर्व बैंक में खाता खोलना अनिवार्य होगा तथा राशन कार्ड(राशन कार्ड न होने की दषा में परिवार के सभी सदस्यों का आधार कार्ड अपलोड करना होगा)।

जिलाधिकारी महोदया द्वारा शासन से प्राप्त लक्ष्य-1500 के सापेक्ष विकास खण्डवार, नगर पालिकावार/नगर पंचायतवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए दिनांक 05 सितंबर 2023 तक दिये गये लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अधिषासी अधिकारी, नगर पालिका/नगर पंचायत एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, गाजीपुर को निर्देश दिया गया कि सीएससी सेंटर पर योजना की गाइड लाइन के अनुसार पात्र परम्परागत कारीगरों को ही लाभ दिये जाने हेतु पंजीकरण कराना सुनिष्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, उपजिलाधिकारी सदर प्रखर उत्तम, समस्त सम्बन्धित अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत उपस्थित रहे।

काशी द्वार के विरोध में उतरे किसान, कहा नहीं देंगे जमीन

पिंडरा। पिंडरा क्षेत्र में टाउन शीप के तहत बन रहे काशी द्वार के लिए जमीन अधिग्रहण के प्रकिया के विरोध में आधा दर्जन गांवों के ग्रामीणों ने पिंडरा तहसील पर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्रक सौंपा। तहसील पिंडरा में सुबह साढ़े 10 बजे अधिग्रहण के तहत लिए जा रहे गांवों के किसान जुटे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि किसी भी कीमत पर किसान अपनी जमीन नही देंगे। क्योंकि उनके पास अधिग्रहण होने के बाद कोई जमीन नही बचेगी। किसानों ने कहाकि इसके पूर्व एयरपोर्ट विस्तारीकरण व सांस्कृतिक संकुल के लिए एक हजार एकड़ से अधिक जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। ऐसे में अब अधिग्रहण करना कत्तई न्यायोचित नही है। इस दौरान पिंडरा, पिंडराई, समोगरा, बेलवा, पुरारघुनाथपुर के ग्राम प्रधान के अलावा दर्जनो किसान धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान किसानों ने किसी भी कीमत पर जमीन न देने की प्रतिबद्धता जताई। अंत मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्रक नायब तहसीलदार विकास कुमार श्रीवास्तव को दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से जनप्रतिनिधि के रूप कृष्ण कुमार उर्फ रामु गुप्ता, राजेन्द्र पटेल, अनिल पटेल,धीरज पटेल, प्रेम नट, हिन्दलाल,सन्तोष पटेल, फतेहबहादुर सिंह, भाई राम, आशीष, पन्नालाल, मिथलेश पटेल, सेवालाल, मायाशंकर समेत दर्जनों किसान रहे।

अहरौरा सपा नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में 51 सदस्यीय कमेटी का गठन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी अहरौरा नगर के नवनियुक्त अध्यक्ष मुमताज अहमद द्वारा अहरौरा नगर में गठित की गई 51 सदस्य कमेटी का गठन किया गया जिसको समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने सोमवार को अनुमोदित किया। जिलाध्यक्ष के अनुमोदन के पश्चात सभी चयनित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया और उनको पार्टी सम्बंधित कार्यों के लिए निर्देशित किया गया। जिलाध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अहरौरा नगर में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कार्य करने हेतु एक जुट होने को कहा। नगर सपा अध्यक्ष मुमताज अहमद ने नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारी सदस्यों के नाम की सूची जारी किया। नगर अध्यक्ष मुमताज अहमद ने बताया की मोहम्मद इस्लाम महासचिव,राजेश मौर्या उपाध्यक्ष,जावेद अनवर उपाध्यक्ष,इरफान अंसारी उपाध्यक्ष, अनिल केसरी उपाध्यक्ष,

डॉक्टर निसार उपाध्यक्ष,इसरार अहमद उपाध्यक्ष,अशफाक अहमद सचिव,राम जी त्रिपाठी सचिव ,इरफान अहमद सचिव,राम विजय यादव सचिव,बच्चा जायसवाल सचिव, सोनल श्रीवास्तव सचिव,किस्मत कुशवाहा सचिव, सफीक अहमद सचिव,विक्रम सोनकर सचिव, शब्बीर अहमद सचिव ,मनोज यादव सचिव,रामजनम बियार सचिव अलीम सचिव, अशरफ अली सचिव संतोष कुमार यादव/बमबम सचिव शौकत अली मीडिया प्रभारी मो.अजीम कोषाध्यक्ष बनाएं गये। कार्यकारिणी सदस्य में बच्चू लाल प्रजापति , सोडर भारती, मोहन सिंह, झारखंडी धरकार ,सदई चौरसिया मोहम्मद ईशा ,अब्दुल समद ,इश्तियाक अहमद, मोहम्मद ईशा, मुस्ताक अहमद ,बन्ने हाफिज, अजय मोदनवाल, मो. सलमान ,मोहम्मद रमजान, मोहन यादव, गुफरान अंसारी ,मनोज सोनकर, सोनू कुरैशी, मो. शिबू, आलम सिद्दीकी ,मोगिस, सिराजुद्दीन, मोहम्मद आलम ,इमरान हम्मद, मिजान अहमद को रखा गया है।

अब दो सितंबर तक खिलाई जायेगी फाइलेरिया से बचाव की दवा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए चलाये गये 'सामूहिक दवा सेवन' एमडीए अभियान के तहत लोगों को घर-घर जाकर फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन कराया गया। यह अभियान 10 अगस्त से 28 अगस्त तक संचालित किया गया, लेकिन जो परिवार व लाभार्थी किन्हीं कारणों से दवा खाने से छूट गए हैं या जिन्होंने इन्कार किया है, उनके लिए मॉप अप राउंड मंगलवार से शुरू किया गया। यह दो सितंबर तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने कहा कि फाइलेरिया लाइलाज बीमारी है। इसको रोकने के लिए बचाव ही एकमात्र उपाय है। इसलिए वर्ष में एक बार चलने वाले फाइलेरिया उन्मूलन (एमडीए) अभियान के तहत फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन जरूर करें। पाँच साल तक लगातार व साल में एक बार यह दवा खाने से फाइलेरिया संक्रमण से बचा सकता है। फाइलेरिया किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। यह न तो अमीर देखता है और न गरीब। इसलिए भ्रम न पालें और दवा का सेवन जरूर करें। वेक्टर

बॉर्न डिजीज कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ जेएन सिंह ने कहा कि यह दवा दो वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को खानी है। गर्भवती, दो वर्ष से छोटे बच्चे और गंभीर रूप से बीमार लोगों को इस दवा का सेवन नहीं करना है। यह दवा फाइलेरिया से आपको सुरक्षा प्रदान करेगी। वहीं जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) मनोज कुमार ने प्रखर पूर्वांचल को बताया कि एमडीए अभियान के तहत पिछले 10 दिनों में करीब 35 लाख से अधिक लक्षित आबादी को फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन कराया जा चुका है। करीब 80 प्रतिशत आबादी को कवर किया जा चुका है। मॉप अप राउंड में इसको 85 प्रतिशत तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। जिन ब्लाकों का कवरेज 85 प्रतिशत से कम है उसको जल्द से जल्द बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा किन्हीं कारणों से छूटे हुये लाभार्थियों को मंगलवार से शुरू होकर दो सितंबर तक चलने वाले मॉप अप राउंड में दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रचार-प्रसार पर बेहद जोर दिया गया है, लेकिन अब भी लोगों के मन में दवा न खाने को लेकर भ्रांतियाँ बनी हुई हैं। इसको दूर करना बेहद जरूरी है।

बीएसए से मिला प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल, 4 सितम्बर को होगा धरना प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उ0प्र0 बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक अपनी माँगों पुरानी पेंशन की बहाली, राज्य कर्मचारियों की भाँति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश, अध्ययन अवकाश, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, प्रत्येक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय

में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नति, तैनाती, उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भाँति चयन वेतनमान में 12 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान आदि 18 सूत्रीय मांग पत्र के अनुसार अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार से अनुरोध कर चुके हैं, परन्तु अभी तक उ0प्र0 सरकार की ओर से माँगों के निराकरण के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही न किये जाने से प्रदेश का शिक्षक समुदाय अत्यन्त क्षुब्ध एवं आहत है। एक ओर शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है, साथ ही साथ कतिपय विभागीय अधिकारियों द्वारा बेसिक शिक्षकों एवं शिक्षा से सम्बन्धित तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जा रहा है, जिससे बेसिक शिक्षा एवं शिक्षकों की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से शिक्षकों में भारी आक्रोश व्यापक है ।जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर दिनांक 04 सितम्बर 2023 दिन सोमवार को प्रदेश के प्रत्येक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शिक्षको द्वारा अपनी माँगो के समर्थन में धरना प्रर्दशन के उपरान्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाना है। उक्त कार्यक्रम के तहत जनपद गाजीपुर में दिनांक 04 सितम्बर 2023 दिन सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय महुआबाग गाजीपुर के प्रांगण में प्रातः 10:30 बजे से धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसके सूचना एवं ज्ञापन को लेने के लिए उपस्थित रहने हेतु एवं अन्तर जनपदीय स्थानान्तरण के फलस्वरूप जनपद में कार्यभार ग्रहण किए शिक्षकों के शीघ्र वेतन भुगतान हेतु कार्यवाही करने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजीपुर से आज उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गाजीपुर का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष जितेन्द्र यादव एवं जिला मंत्री इसरार अहमद सिद्दीकी के नेतृत्व में भेंट कर अनुरोध किया।

नगर निगम पहुंचकर लघु व्यापारियों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगो को दोहराया

शहरी क्षेत्रों में भोजनालय बाजार महिला पिंक वेंडिंग जोन के रूप में विकसित करे नगर निगम प्रशासन : संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। फुटपाथ के कारोबारी रेहड़ी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक एकमात्र संगठन से जुड़े लघु व्यापारियों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में नगर निगम पहुंचकर नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना से सामूहिक रूप से मुलाकात कर अपनी 6 सूत्रीय मांगों में सर्वप्रथम रोड़ी बेलवाला में नगर निगम द्वारा विकसित किए गए महिला पिंक वेंडिंग जोन प्रथम न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी घाट मार्ग ज्वालापुर, पुल जटवाड़ा वेंडिंग जोन में मूलभूत सुविधाओं के साथ किराएदार ई अनुबंध किए जाने की प्रमुखता से दोहराते हुए भगत सिंह चौक सेक्टर टू बेरियल के वेंडिंग जोन की सूची प्रकाशित किए जाने की मांग भी की। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय

अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा राज्य सरकार के निर्देशन में हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन में बिजली पानी सफाई सीसीटीवी कैमरे सुंदरीकरण कर मूलभूत सुविधाओं के साथ तीनों वेंडिंग जोन की रख-रखाव की जिम्मेदारी किसी निजी संस्था को दी जानी चाहिए ताकि केंद्र और राज्य सरकार के संरक्षण में फुटपाथ के कारोबारी रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स स्वरोजगार के लिए दी जाने वाली सुविधाओं के साथ वेंडिंग जोन बाजार स्वच्छ व साफ-सुथरा रहना चाहिए उन्होंने कहा शहरी विकास विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग को संयुक्त रूप से समन्वयक स्थापित कर शहरी क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूर्व से चिन्हित किए गए पुराने रानीपुर मोड़ से भगत सिंह चौक, रेलवे लाइन की साइड भोजनालय बाजार महिला पिंक वेंडिंग जोन के रूप में विकसित किए जाने से शहरी समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा वही प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम, उत्तराखंड शासन नगरीय फेरी नीति नियमावली का योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वयन भी हो सकेगा ` इस अवसर पर नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना से मिलकर अपनी 6 सूत्रीय मांगों को दोहराते लघु व्यापारियों में महिला मोर्चा के संयोजक पूनम माखन, नम्रता सरकार, कामिनी मिश्रा, रितु अग्निहोत्री, सीमा देवी, मुन्नी देवी, गीता, इंद्र देवी, श्रीमती नीलम, कस्तूरी बहन, रानी राजपूत, सुनीता चौहान, मनोज मंडल, राजकुमार एंथोनी यामीन अंसारी, आजम, नईम सलमानी, विजेंद्र, जय भगवान, ललित, अशोक कुमार, तस्लीम अहमद आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर खाद्य विभाग ने मिठाई के दुकानों पर मारे छापे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, गाजीपुर के आदेश के क्रम में आर0सी0 पाण्डेय सहायक आयुक्त खाद्य गाजीपुर के निर्देशन में रक्षाबन्धन अभियान चलाकर मंगलवार को कुल 06 नमूना संग्रह किया गया, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है- खोया मण्डी रौजा, सदर गाजीपुर से खोये के दो नमूनें। सब्बलपुर देवरिया चट्टी जमानिया गाजीपुर से बर्फी का नमूना। पाण्डेय मोड़ जमानिया गाजीपुर से बेसन लड्डू एवं रसकदम्ब का नमूना। धरम्मरपुर, सदर गाजीपुर से बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 33 किलो ग्राम खोया, 10 किलो ग्राम बर्फी, 110 किलो ग्राम बूंदी का लड्डू खाने योग्न न होने के कारण नष्ट करा दिया गया। संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहें है, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। नमूना संग्रह की कार्यवाही आर0पी0 सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों गोपाल चन्द, अवधेश कुमार, समला प्रसाद यादव, गुलाब चन्द गुप्त, राजीव कुमार सिंह एवं विरेन्द्र यादव की टीम द्वारा की गयी।

पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप 1 अभियुक्त को न्यायालय ने दी सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन द्वारा थाना मुहम्मदाबाद पर पंजीकृत धारा 354,354अ,504 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त नागेन्द्र पाल पुत्र स्व० गजाधर पाल निवासी ग्राम गौसपुर थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप मंगलवार को माननीय न्यायालय गाजीपुर द्वारा धारा 354 भादवि में अभियुक्त उपरोक्त को 04 वर्ष के कारावास व 05 हजार रुपए का अर्थदण्ड अर्थदण्ड अदा न करने की दशा में 01 माह का अतिरिक्त कारावास, धारा 504 भादवि में 01 वर्ष का कारावास, व धारा 8 पाक्सो एक्ट में 04 वर्ष का कारावास व 05 हजार का अर्थदण्ड,अर्थदण्ड अदा न करने की दशा में 01 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया।

खेल दिवस के मौके पर वनस्थली खेल ग्राउंड में हुआ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वनस्थली महाविद्यालय के समीप स्थित खेल ग्राउंड पर खेल दिवस के उपलक्ष में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी अवधेश कुमार सिंह के द्वारा इस खेल ग्राउंड पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षिक अवधेश कुमार सिंह प्रतिदिन नगर एवं आसपास के युवा एवं युवतियों को निशुल्क स्पोर्ट ट्रेनिंग उपलब्ध कराते हैं। इनके द्वारा प्रशिक्षित किए गए कई युवा आज देश एवं प्रदेश की सुरक्षा में तैनात होकर क्षेत्र एवं जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं प्रशिक्षक अवधेश कुमार सिंह के द्वारा प्रत्येक वर्ष खेल दिवस के अवसर पर इस ग्राउंड पर विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाता है जनपद के विभिन्न अंचलों से आए खिलाड़ियों का उचित सम्मान एवं पुरस्कार राशि भी दी गई। क्रिकेट लंबी दौड़ तेज दौड़ कबड्डी समेत अन्य खेलों का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह, सभासद कुमार आनंद, पत्थर व्यवसायई नीरज पांडे, चंदन पांडे, ग्राम प्रधान बराड़ीह शिवकुमार बिंद उर्फ तेड़ई, हिमांशु सैनी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी और एनएचएआई के डायरेक्टर ने किया स्थलीय निरीक्षण, जल्द शुरु कराए जाएंगे निर्माण के कार्य

प्रखर जौनपुर। आजमगढ़ वाराणसी मार्ग पर बरसों से छतिग्रस्त पड़े एवं बड़ी गाड़ियों हेतु आवागमन अवरुद्ध किए गए। चंदवक पुल का आज केराकत विधानसभा के पूर्व भाजपा विधायक दिनेश चौधरी एवं एनएचएआई के डायरेक्टर ने सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया। तत्पश्चात खुज्जि से केराकत मार्ग के बीच में टाई बीर नाले पर क्षतिग्रस्त पड़े पुलिया का भी स्थलीय निरीक्षण किया। एनएच 233 के जद में आ रहे हैं समस्त किसानों के मुआवजा वितरण में भी तेजी लाने हेतु पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने एनएचएआई के डायरेक्टर से वार्ता कर किसानों की मांग को जल्द से जल्द पूरा करने हेतु आगरा किया। उन्होंने बताया की क्षेत्रवासियों की विकट समस्या और इन दोनों पूल और पूलियो के अवरुद्धता के वजह से आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी गाड़ियों को बंद किए जाने के बाद जितने भी लिंक मार्ग हैं। वह लगातार बड़ी गाड़ियों के आवागमन से सब टूट चुके हैं। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने आरोप लगाया कि केराकत के वर्तमान विधायक तूफानी सरोज पर कि उन्हें क्षेत्रवासियों के किसी से भी समस्या से कोई लेना देना नहीं है। क्षेत्रवासियों के प्रति उनकी उदासीनता काफी चिंताजनक वह विधायकी को ऐसो आराम का दायित्व मानकर केवल अपना समय काट रहे हैं। आये दिन क्षेत्रवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों के इस विकट समस्या को देखते हुए पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने एक शानदार पहल करते हुए एनएचएआई के डायरेक्टर से वार्ता कर उन्हें स्थलीय निरीक्षण करने हेतु आमंत्रित किया। उनके आमंत्रण पर एनएचएआई के डायरेक्टर ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए। चंदवक के पक्के सेतु का एवं टाईबीर नाले पर क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कार्य शीघ्रतिशीघ्र संपन्न कराए जाने का आश्वासन दिया। पूर्व विधायक के पूछे जाने पर एनएचएआई के डायरेक्टर ने कहा कि हम एनएच 233 की जद में आ रहा है समस्त किसानों के मुआवजा वितरण को भी तेजी के साथ पूरी पारदर्शिता से पूर्ण करेंगे।

फिल्म में काम करने को तैयार बशर्ते अच्छी भूमिकाओं की पेशकश हो

हेमा मालिनी

नई दिल्ली (भाषा)। मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी का कहना है कि शर्मिला टैगोर, जया बच्चन और पति धर्मेंद्र के दोबारा पर्दे पर आने के बाद वह भी फिल्मों में वापसी करना चाहेंगी, बशर्ते निर्माता उनके पास 'कुछ अच्छी भूमिकाएं' लेकर आएं। हेमा मालिनी की सबसे हालिया फिल्म 'शिमला मिर्ची' थी, जो 2020 में रिलीज़ हुई थी। 2000 के दशक में, हेमा मालिनी ने 'बागबान', 'वीर-जारा', 'बाबुल' और 'बुड्ढा... होगा तेरा बाप', जैसी हिट फिल्मों में अभिनय किया। इस सभी फिल्मों में हेमा मालिनी के साथ अभिनेता अमिताभ बच्चन भी थे।

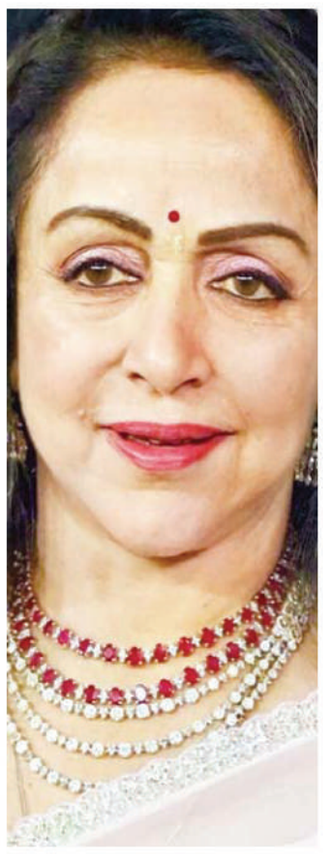

इस साल की शुरुआत में, शर्मिला टैगोर ने 13 साल के अंतराल के बाद डिज्नी- हॉटस्टार की फिल्म 'गुलमोहर' के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी की, जिसे समीक्षकों द्वारा काफी सराहना मिली। वहीं जया बच्चन और धर्मेंद्र ने साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में अभिनय किया। मथुरा से दो बार की सांसद हेमा मालिनी काफी समय से फिल्मों से दूर हैं यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने समकालीन कलाकारों की तरह और अभिनय भूमिकाएं निभाने की इच्छुक हैं, 74 वर्षीय अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कहा, ''मैं यह (फिल्में) करना चाहूंगी। यदि मुझे कुछ अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, तो निश्चित रूप से, क्यों नहीं? मैं चाहूंगी कि निर्माता आगे आएं और मुझे फिल्मों के लिए साइन करें। मैं तैयार हूं।''

अक्टूबर में फिल्म 'बागबान' अपनी रिलीज के 20 साल पूरे कर लेगी। रवि चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन ने एक ऐसे दम्पति की भूमिका निभायी है जो अलग रहने के लिए मजबूर हो जाते हैं जब उनके बेटे दोनों की देखभाल करने से इनकार कर देते हैं। वर्ष 2003 की इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ

74 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा यदि मुझे कुछ अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, तो निश्चित रूप से, क्यों नहीं? मैं चाहूंगी कि निर्माता आगे आएं और मुझे फिल्मों के लिए साइन करें। मैं तैयार हूं।

अभिनय को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि वह चाहती थीं कि 'बागबान' के बाद उनके साथ और अधिक फिल्मों में काम करतीं। हेमा मालिनी और अभिताभ बच्चन की इस जोड़ी ने 1980 के दशक में 'सस्ते पे सत्ता', 'नसीब' और 'नास्तिक' जैसी फिल्मों में भी एकसाथ अभिनय किया था।

हेमा मालिनी ने कहा, 'काश हमने 'बागबान' के बाद कई और फिल्में एक साथ की होतीं लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। (बच्चन के साथ) काम करना अद्भुत था।' उन्होंने कहा, ''उस समय भी, मैंने कुछ वर्षों के अंतराल के बाद किसी फिल्म में अभिनय किया था, वह फिल्म 'बागबान' थी। इसलिए, मैं थोड़ा झिझक रही थी, लेकिन मैंने फिल्म की और, निश्चित रूप से, अमित जी और मैंने एकसाथ अच्छा काम किया।' हेमा मालिनी एक निर्माता और निर्देशक भी हैं। उन्होंने कहा कि वह बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों की कामयाबी से खुश हैं। इस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों जैसे कि शाहरुख खान की 'पठान' और सनी देओल की 'गदर 2' का उदाहरण देते हुए हेमा मालिनी ने कहा, दर्शक फिल्में बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। ओटीटी मंच 'टाइम पास' के तौर पर पसंद किये जाते हैं।उन्होंने कहा, '(बड़े) स्क्रीन पर फिल्में बहुत अलग होती हैं, जिसकी हमें आदत है। मैं उस तरह की फिल्मों की अभ्यस्त हूं... बड़े पर्दे की। इसलिए, ये ओटीटी और वेब सीरीज टाइम पास के लिए अच्छी हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि ये कितनी निराली है।'

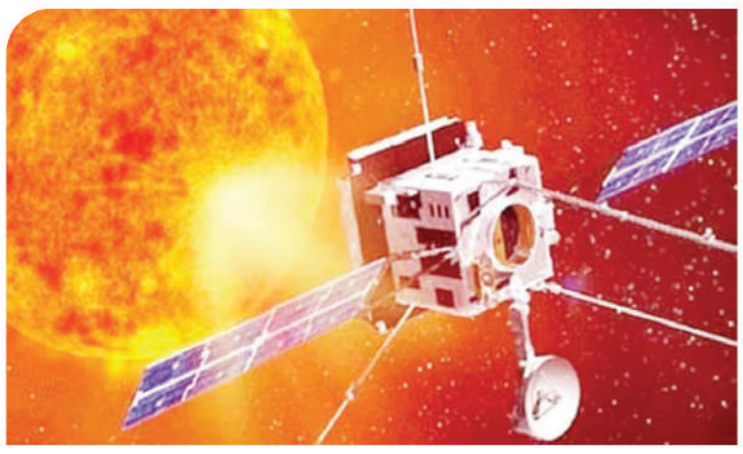

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब सूर्य अध्ययन की तैयारी

आदित्य-एल1 को अंतरिक्षयान सूर्य की सबसे बाहरी परत के दूरस्थ अवलोकन और सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु पर सौर वायु के यथास्थान अवलोकन के लिए तैयार किया गया

बेंगलुरू (भाषा)। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद इसरो ने सोमवार को घोषणा की कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का दो सितम्बर को पूर्वाह्न 11:50 बजे श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से प्रक्षेपण किया जाएगा।

आदित्य-एल1 अंतरिक्षयान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परत) के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु) पर सौर वायु के यथास्थान अवलोकन के लिए तैयार किया गया है। एल1 पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 'लैग्रेंज बिंदु' अंतरिक्ष में स्थित वे स्थान हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल आकर्षण और प्रतिकर्षण के उन्नत क्षेत्र उत्पन्न करते हैं। नासा के अनुसार, इनका उपयोग अंतरिक्षयान द्वारा स्थिति में बने रहने के लिए आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है। लैग्रेंज बिंदु का नाम इतालवी-फ्रांसीसी गणितज्ञ जोसेफी-लुई लैग्रेंज के सम्मान में रखा गया है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में बताया, सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला को पीएसएलवी-सी57 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। आदित्य-एल1 मिशन का लक्ष्य एल1 के पास की कक्षा से सूर्य का अध्ययन करना है। यह अंतरिक्षयान सात पेलोड लेकर जाएगा, जो अलग-अलग वेव बैंड में फोटोस्फेयर (प्रकाशमंडल), क्रोमोस्फेयर (सूर्य की दिखाई देने वाली सतह से ठीक ऊपरी सतह) और सूर्य की सबसे बाहरी परत (कोरोना) का अवलोकन करने में मदद करेंगे। इसरो के एक अधिकारी ने कहा, आदित्य-एल1 पूरी तरह से स्वदेशी प्रयास है, जिसमें राष्ट्रीय संस्थानों की भागीदारी है।

बेंगलुरू स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी) पेलोड के विकास के लिए अग्रणी संस्थान है, जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे ने सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) पेलोड इस मिशन के लिए विकसित किया है। वीईएलसी का लक्ष्य यह पता लगाने के लिए डेटा एकत्रित करना है कि कोरोना का तापमान लगभग दस लाख डिग्री तक कैसे पहुंच सकता है, जबकि सूर्य की सतह का तापमान 6000 डिग्री सेंटीग्रेड से थोड़ा अधिक रहता है। आदित्य-एल1 यूवी पेलोड का उपयोग करके कोरोना और सौर क्रोमोस्फीयर पर और एक्स-रे पेलोड का उपयोग करके लपटों का अवलोकन कर सकता है। कण संसूचक और मैग्नेटोमीटर पेलोड आवेशित कणों और एल1 के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा तक पहुंचने वाले चुंबकीय क्षेत्र के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

यहां स्थित यू आर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा विकसित उपग्रह, इस महीने की शुरुआत में आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के इसरो के स्पेसपोर्ट पहुंचा। इसे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के एल1 बिंदु के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने की योजना है। इसरो ने कहा, एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में स्थापित उपग्रह से सूर्य पर लगातार नजर रखने में बड़ा फायदा होगा और कोई भी ग्रह इसमें बाधा नहीं डालेगा। इसने कहा, इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलेगा। विशेष सुविधाजनक बिंदु एल1 का उपयोग करते हुए, चार पेलोड सीधे सूर्य का अवलोकन करेंगे और शेष तीन पेलोड द्वारा एल1 बिंदु पर कण और क्षेत्रों का यथास्थान अध्ययन किये जाने की उम्मीद है।

गदर 2 ने 450 करोड़ की कमाई की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 ,भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेज 450 करोड़ रुपए कमाने वाली फिल्म बन गई है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुयी है। गदर 2'ने पहले सप्ताह में 284 करोड़ की कमाई की थी। गदर 2 एक-एक कर कई रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श के अनुसार'गदर 2'भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेजी में 450 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने यह बेंचमार्क मात्र 17 दिनों में हासिल किया है। इससे पहले'पठान'के नाम यह रिकॉर्ड था।शाहरुख खान की फिल्म पठान ने 18 दिनों में 450 करोड़ के आंकड़े को टच किया था।

इंडियन आइडल

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानीमानी पार्श्वगायिका श्रेया घोषाल का कहना है कि एक रियलिटी शो की कंटेस्टेंट होने से लेकर अब इंडियन आइडल जैसे फैंस के पसंदीदा शो को जज करने तक, मेरा सफर कठिन लेकिन शानदार रहा है। इंडियन आइडल, एक नए सीजन के लिए लौट रहा है जिसमें सिंगर श्रेया घोषाल जजों के पैनल में शामिल होंगी। श्रेया घोषाल ने इंडियन आइडल में जज के रूप में ली गई इस नई जिम्मेदारी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, इंडियन आइडल की जोशीली दुनिया में फिर से प्रवेश करना एक सुखद घर वापसी जैसा लगता है। मैं इंडियन आइडल जूनियर की जज रह चुकी हूं, लेकिन शो के इस संस्करण के लिए मेरा उत्साह कुछ और ही है, क्योंकि मुझको जजेस के रूप में सानू दा और विशाल के साथ फिर से जुड़ने का सौभाग्य मिला। भारतीय प्रतिभा की अगली लहर को ढूंढना और उनका हुनर संवारना बड़े सम्मान की बात है और भारत के अगले सिंगिंग सेंसेशन बनने की दिशा में उनके सफर का हिस्सा बनना खुशी की बात है। श्रेया घोषाल ने कहा, इंडियन आइडल जैसे शो उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और संगीत जगत की कार्यप्रणाली का अनुभव करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं।

कंटेस्टेंट से जज तक का सफर शानदार रहा

श्रेया

देवरकोंडा ने सामंथा को किया वीडियो कॉल

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर विजय देवरकोंडा ने आधी रात को एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु को कॉल करके एक 'नॉक नॉक जोक' सुनाया। इस जोक ने कई लोगों को गुदगुदाया। फिल्म की रिलीज से पहले, विजय ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह आधी रात में सामंथा के साथ वीडियो चैट करते नजर आ रहे हैं और फिर उसे जोक सुनाते हैं। क्लिप की शुरुआत विजय द्वारा सामंथा को वीडियो कॉल करके यह बताने से होती है कि वह उसे याद कर रहे हैं और उनके साथ एक जोक शेयर करना चाहते हैं।

हिमेश ने कंटेस्टेंट्स को दिया मौका

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सिंगर और 'सा रे गा मा पा' 2023 के जज हिमेश रेशमिया ने ऑडिशन राउंड में दो कंटेस्टेंट्स को गाना रिकॉर्ड करने का मौका दिया। सिंगिंग रियलिटी शो में हिमेश रेशमिया, नीति मोहन, अनु मलिक जज और आदित्य नारायण होस्ट हैं। सभी अपने सिंगिंग टैलेंट से ऑडिशन राउंड में जजों को इंप्रेस करने की कोशिश कर रहे हैं। हिमेश ने कंटेस्टेंट्स आरोह और वांगय को एक गाना रिकॉर्ड करने का मौका देकर एक कदम आगे बढाया है। क्रमशः 'ना जा कहीं अब ना जा' और 'जीये क्यों' पर उनकी परफॉर्मेंस ने न केवल दर्शकों का बल्कि हिमेश का भी दिल जीत लिया और उन्हें मौका देने के लिए भी प्रेरित किया।

भाइयों की कलाइयों पर सजेगी सिक्की कला से बनी राखी

पटना (आईएएनएस)। सिक्की कला से बनी चंद्रयान राखी पटना के बाजारों में दिख रही है। सिक्की आर्ट से बनी बुलडोजर राखी भी इस रक्षाबंधन के त्योहार पर भाइयों की कलाइयों पर सजेगी तो और हरी पत्ती राखी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश सभी को देगी। इन राखियों को तैयार करने वाली पारंपरिक सिक्की आर्टिस्ट विजेता बताती हैं कि एक कलाकार के नाते समाज, देश, प्रदेश में चल रही समसामयिक विषयों पर उनकी नजर रहती है। ऐसे में जब उत्तर प्रदेश में बुलडोजर की चर्चा हुई और अब चंद्रयान 3 ने तो इतिहास ही रच दिया। ऐसे में इसी थीम पर राखी बनाने के सोची और अब ये राखियां बाजार में उपलब्ध हैं।

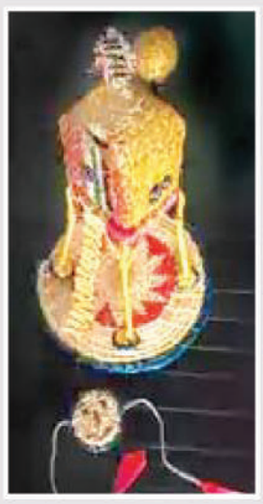

उन्होंने कहा कि इसी आर्ट के जरिए वह कई डिजाइनर राखी हर साल बनाती हैं। लेकिन , इस बार सबसे खास चंद्रयान राखी है। इसका कांसेप्ट ' चंदा मामा अब दूर के नहीं रहे' पर आधारित है। चंद्रयान-3 के मॉडल जैसी बनी राखी में चंद्रयान-3 के लैंडर जैसा चंदा मामा राखी है, जिसे कलाई पर बांधा जाएगा। चंद्रयान-3 के सफल लैंडिंग के बाद मैंने इस मॉडल पर आधारित राखी बनाया। इसको बनाने में दो दिन का समय लगा। चांद वाली राखी की कीमत 35 रुपये है, लेकिन चंद्रयान लैंडर के मॉडल के साथ इसकी कीमत 1,200 रुपये है।

माधवन ने द वैक्सीन वॉर को सराहा

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर आर. माधवन ने 'द वैक्सीन वॉर' देखी और ऐसी फिल्म बनाने के लिए फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री की सराहना की और उन्हें मास्टर स्टोरीटेलर करार दिया। माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया, जिसमें पूरी कास्ट और निर्देशक नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा: अभी-अभी 'द वैक्सीन वॉर' देखी और भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के बलिदानों और शानदार उपलब्धियों को देखकर मैं हैरान रह गया, जिन्होंने भारत का पहला वैक्सीन बनाया और सबसे चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान देश को सुरक्षित रखा। मास्टर स्टोरीटेलर विवेक अग्निहोत्री द्वारा कही गई यह कहानी आपको एक ही समय में खुश करने, तालियां बजाने, भावुकता और उत्साह से भर देती है।

फेसबुक ग्रुपों पर की जा रहीं सैकड़ों फर्जी पोस्ट

लंदन (आईएएनएस)। एक नए अध्ययन से पता चला है कि स्थानीय फेसबुक समूहों के सदस्यों को सैकड़ों फर्जी पोस्ट का सामना करना पड़ता है। इनमें लापता बच्चों या खुले में घातक सांपों के देखे जाने तक की झूठी खबरें शामिल होती हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, यूके की तथ्य-जांच चैरिटी फुल फैक्ट ने दुनिया भर में सोशल मीडिया साइट के सामुदायिक समूहों पर 1,200 से अधिक झूठे पोस्ट की खोज की।

शोधकर्ताओं के अनुसार, समुदायों में डर पैदा करने के इरादे से की गई ये भ्रामक पोस्टें उपयोगकर्ताओं को गलत जानकारी से भर सकती हैं, इससे वास्तविक अलर्ट और अपीलें प्रभावित हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि इस सामग्री को फैलाने की प्रेरणा वित्तीय लाभ या उत्पादों/सेवाओं का प्रचार हो सकती है। यह गलत सूचना ब्रिटेन में प्रचलित थी, लेकिन इसी तरह की पोस्ट अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में पाई गई। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पाया कि साझा की गई अधिकांश सामग्री लापता बच्चों और पेंशनभोगियों के बारे में थी। जांच में कई पोस्ट का खुलासा हुआ, जिसमें दावा किया गया कि चाकू से लैस एक व्यक्ति कई शहरों में लोगों पर हमला कर रहा था।

फुल फैक्ट के संपादक स्टीव नोवोटनी ने कहा, धोखा देने वालों ने स्पष्ट रूप से पहचान लिया है कि इन पोस्टों की व्यापक पहुंच हो सकती है और दुनिया भर में स्थानीय फेसबुक समूह अब झूठी सूचनाओं से अभिभूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा, खतरों के बारे में वास्तविक चेतावनियां और मदद के लिए सख्त अपील करने वाले लोगों की वास्तविक पोस्ट, जैसे कि लापता प्रियजनों या लापता पालतू जानवरों की तलाश करने वालों को अब नजरअंदाज किए जाने का बहुत अधिक खतरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, जो फेसबुक उपयोगकर्ता संपादित फर्जी पोस्ट में लिंक पर क्लिक करते हैं, उन्हें अक्सर किसी वैध कंपनी या संगठन की वास्तविक वेबसाइट पर ले जाया जाता है। मेटा के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हमने ऑनलाइन गलत सूचना से निपटने के लिए फुल फैक्ट सहित 90 से अधिक स्वतंत्र तथ्य-जांच संगठनों के साथ साझेदारी करते हुए किसी भी प्लेटफ़ॉर्म का सबसे बड़ा वैश्विक तथ्य-जांच नेटवर्क बनाया है। हमारे प्लेटफ़ॉर्म पर धोखाधड़ी वाली गतिविधि की अनुमति नहीं है और हमने हमारे सामुदायिक मानकों का उल्लंघन करने के लिए हमारे ध्यान में लाए गए पोस्ट को हटा दिया है।

- **शोधकर्ताओं के अनुसार, समुदायों में डर पैदा करने के इरादे से की गई ये भ्रामक पोस्टें उपयोगकर्ताओं को गलत जानकारी से भर सकती हैं, इससे वास्तविक अलर्ट और अपीलें प्रभावित हो सकती हैं।**
- **धोखा देने वालों ने स्पष्ट रूप से पहचान लिया है कि इन पोस्टों की व्यापक पहुंच हो सकती है और दुनिया भर में स्थानीय फेसबुक समूह अब झूठी सूचनाओं से भर रहे हैं।**

जेट मामले में जालान कॉलरॉक को भुगतान के लिए और वक्त मिला

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवालिया हो चुकी एयरलाइन जेट एयरवेज के कर्जदाताओं को 350 करोड़ रुपए के भुगतान के लिए जालान-कालरॉक गठजोड़ को 30 सितम्बर तक की मोहलत दे दी है।

अपीलीय न्यायाधिकरण की तीन-सदस्यीय पीठ ने भुगतान की समयसीमा बढ़ाने के लिए गठजोड़ की तरफ से दायर अर्जी स्वीकार करते हुए 30 सितम्बर तक भुगतान करने को कहा। इसके अलावा पीठ ने 350 करोड़ रुपए के भुगतान में 150 करोड़ रुपए की राशि प्रदर्शन बैंक गारंटी से समायोजित करने पर भी अपनी सहमति दी।

स्वच्छ वायु वाले शीर्ष शहरों की रैंकिंग में आगरा नंबर दो पर

■ श्रीनगर ने चौथा हासिल कर टॉप फाइव में बनाई जगह ■ इस रैंकिंग में इंदौर नंबर वन और ठाणे तीसरे स्थान पर

श्रीनगर (वार्ता)।

केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 के तहत भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले शहरों में स्थान हासिल किया है। उत्तर प्रदेश का शहर आगरा इस रैंकिंग में टॉप पांच शहरों में शामिल है उसे दूसरा स्थान हासिल हुआ है।

श्रीनगर 10 लाख से अधिक आबादी वाला शहर है। इस शहर ने देश भर में चौथी रैंक हासिल करके मील का पत्थर हासिल किया है। इससे पहले, मध्य प्रदेश का शहर इंदौर पहले, उत्तर प्रदेश का शहर आगरा दूसरे और महाराष्ट्र का ठाणे शहर तीसरे स्थान पर है।

इसके अलावा, मध्य प्रदेश के भोपाल शहर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 के तहत 5वीं रैंक हासिल की है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमईएफसीसी) द्वारा आयोजित किया गया था।

श्रीनगर शहर का मूल्यांकन राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कदमों के आधार पर किया गया है।

श्रीनगर में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के कार्यान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन और निगरानी समिति के अध्यक्ष एजाज असद ने कहा कि जिला प्रशासन श्रीनगर शहर को एक बेहतर जगह बनाने के लिए सहयोगात्मक प्रयास जारी रखेगा।

श्रीनगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक के सुधार और 2025 तक पीएम10 के स्तर को कम करने तथा कार्यान्वित करने के लिए एनसीएपी को लागू करके, अध्यक्ष ऐजाज असद की अध्यक्षता में जिला प्रशासन श्रीनगर द्वारा कई पहल की गई हैं। उल्लेखनीय है कि एनसीएपी के तहत, मिशन लाइफ, बंजर भूमि का कायाकल्प, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, फव्वारा निर्माण, सफाई और स्वीपिंग मशीनों की खरीद और आईईसी गतिविधियां श्रीनगर जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार के प्रमुख घटक हैं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 110 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख से स्थानीय शेयर बाजार में दो कारोबारी सत्रों के बाद सोमवार को फिर से तेजी लौटी। बीएसई का सेंसेक्स 110.09 अंक की बढ़त के साथ 64,996.60 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मानक सूचकांक निफ्टी में भी 40.25 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। कारोबार के अंत में यह 19,306.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

जियो के एयर फाइबर की लांचिंग 19 को

■ कंपनी की एजीएम में मुकेश अंबानी ने किया ऐलान

नई दिल्ली/मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो के एयर फाइबर को गणेश चतुर्थी के दिन यानी 19 सितम्बर को लांच किया जाएगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने कंपनी की सालाना आम सभा में यहां इसकी घोषणा की। जियो एयर फाइबर, 5जी नेटवर्क और वायरलेस टेक्नोलॉजी का

उपयोग कर, घरों और दफ्तरों में वायलेस ब्राडबैंड सर्विस देगा। अंबानी ने कहा कि एक करोड़ से अधिक परिसर हमारी आप्टिकल फाइबर सर्विस, जियो फाइबर से जुड़े हैं। अभी भी लाखों परिसर ऐसे हैं जहां वायर कनेक्टिविटी देना मुश्किलों भरा है। जियो एयर फाइबर इस मुश्किल को आसान करेगी। इसके जरिए हम 20 करोड़ घरों और परिसरों तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। जियो एयर फाइबर के आने से हर दिन जियो 1.5 लाख नए ग्राहक जोड़ पाएगा।'

जियो का आप्टिकल फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही पूरे भारत में 15 लाख किलोमीटर तक फैला हुआ है। आप्टिकल फाइबर पर ग्राहक औसतन प्रति माह 280 जीबी से अधिक डेटा का उपयोग करता है, जो जियो की प्रति व्यक्ति मोबाइल डेटा खपत से 10 गुना अधिक है। वार्षिक आम सभा में जियो एयर फाइबर के साथ ही 'जियो टू 5जी डेवलपर प्लेटफार्म' और 'जियो टू 5जी लैब' के लांच की भी घोषणा की गई। लांच की घोषणा करते हुए जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने कहा, 'हम एक ऐसा प्लेटफार्म बना रहे है जो भारतीय उद्यमों, छोटे व्यवसायों और प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप्स के डिजिटल दुनिया के साथ इंटरेक्शन के तरीकों को बदल देगा।

हर किसी को हर जगह एआई समाधान देगी जियो प्लेटफार्म

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को कहा कि जियो प्लेटफार्म्स विभिन्न क्षेत्रों में भारत-केंद्रित कृत्रिम मेधा (एआई) माडल और एआई-संचालित समाधानों के विकास प्रयासों का नेतृत्व करना चाहती है ताकि देश के नागरिक, कारोबार और सरकार नए दौर की इस प्रौद्योगिकी से लाभान्वित हो सकें। अंबानी ने आरआईएल के शेयरधारकों की सालाना आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स 'हर किसी को, हर जगह एआई' का वादा करती है।

रिलायंस पांच साल में 100 सीबीजी संयंत्र लगाएगी : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली/मुंबई (एसएनबी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) कृषि अपशिष्ट को गैस में बदलने के लिए अगले पांच साल में 100 सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) संयंत्र स्थापित करेगी। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को यह घोषणा की। कंपनी की सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए अंबानी ने कहा कि जामनगर में दो 'डेमो' इकाइयां स्थापित करने के बाद रिलायंस ने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पहला वाणिज्यिक स्तर का सीबीजी संयंत्र रिकॉर्ड 10 माह में चालू कर दिया है। अंबानी ने कहा, 'हम देश भर में इस संख्या को तेजी से बढाकर 25 करेंगे। हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में 100 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने का है।

रिलायंस रिटेल में रुचि दिखा रहे कई वैश्विक निवेशक

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को कहा कि कई दिग्ज वैश्विक रणनीतिक एवं वित्तीय निवेशक रिलायंस रिटेल में काफी रुचि दिखा रहे है। रिलायंस रिटेल ने हाल में कतर की सरकारी एजेंसी से एक अरब डालर जुटाए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा मूल्यांकन के आधार पर यह सूचीबद्ध होती, तो खुदरा उपक्रम शीर्ष चार सूचीबद्ध इकाइयों में से होता। अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन साल से भी कम समय में रिलायंस रिटेल का मूल्यांकन दोगुना हुआ है और मूल्य सृजन की इसकी गति का 'वैश्विक स्तर पर भी कोई मुकाबला' नहीं है। उन्होंने कहा, 'कई दिग्गज वैश्विक रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों ने रिलायंस रिटेल में काफी रुचि दिखाई है। मैं आपको उचित समय पर उनके साथ हमारी प्रगति के बारे में जानकारी दूंगा।'

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने हाल ही में 100 अरब डालर के मूल्यांकन पर रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) में 8,278 करोड़ रुपए (एक अरब डालर) का निवेश कर करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। अंबानी ने कहा कि इसका मूल्यांकन तीन साल से भी कम समय में दोगुना हो गया है। अंबानी ने कहा, 'केवल संदर्भ के लिए बात करें, तो सितंबर, 2020 में हमारे कोष जुटाने के दौरान, हमारे खुदरा कारोबार का मूल्यांकन 4.28 लाख करोड़ रुपए था। तीन साल से भी कम समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी के बावजूद इसका मूल्यांकन लगभग दोगुना हो गया है।' उन्होंने कहा, 'इस मूल्यांकन के आधार पर अगर रिलायंस रिटेल सूचीबद्ध होती, तो यह भारत की शीर्ष चार कंपनियों में और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 खुदरा विक्रेताओं में शुमार होती।'

दुनिया में तीसरे स्थान पर होगा देश का वाहन उद्योग

■ वर्ष 2030 तक यह उपलब्धि हासिल होने की है उम्मीद

■ विभिन्न उद्योगों के लिए हाली ही में शुरू हुई पीएलआई योजना से यह हो सकेगा संभव

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने सोमवार को कहा कि देश का वाहन उद्योग 2030 तक दुनिया में तीसरे स्थान पर होगा और यह उस दिशा में आगे बढ रहा है। वाहन और गाड़ियों के कलपुर्जो के लिए 25,938 करोड़ रुपए की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी विभिन्न योजनाएं इस क्षेत्र के विकास को गति दे रही हैं।

भारी उद्योग मंत्रालय पीएलआई योजना के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मंगलवार को एक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इसमें संबंधित पक्षों के साथ बैठक की अध्यक्षता भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय करेंगे। सम्मेलन में इस योजना के माध्यम से उपलब्ध अवसरों को समझने पर विशेष रूप से गौर किया जाएगा। बैठक में जिन संबंधित पक्षों के उपस्थित रहने की संभावना है उनमें पीएलआई के लिए आवेदन देने वाली वाहन कंपनियां, परीक्षण एजेंसियां आदि शामिल हैं। ये सभी अपने अनुभव साझा करेंगे और चिंताओं तथा चुनौतियों का समाधान करेंगे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, 'इन योजनाओं के व्यापक प्रभाव से वाहन उद्योग आगे बढ़ेगा और यह अनुमान है कि यह उद्योग 2030 तक दुनिया में तीसरे स्थान पर होगा।' देश में वाहन उद्योग अर्थव्यवस्था के प्रमुख स्तंभों में से है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इस क्षेत्र का योगदान बढ़कर लगभग 7.1 प्रतिशत हो गया है, जो 1992-93 में 2.77 प्रतिशत था। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से 1.9 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

आईटी हार्डवेयर क्षेत्र की 58 कंपनियों ने PLI योजना में किया आवेदन

नई दिल्ली (भाषा)।

शीर्ष वैश्विक कंपनियों समेत करीब 58 कंपनियों ने आईटी हार्डवेयर के लिए सरकार की 17,000 करोड़ रुपए की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए पंजीकरण कराया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के सचिव अलकेश कुमार शर्मा ने कहा कि आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना 2.0 को उम्मीद से बेहतर प्रतिक्रिया मिली है। शर्मा ने इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'योजना के लिए पंजीकरण कराने की अंतिम तारीख 30 अगस्त है। 58 कंपनियों ने अभी तक पंजीकरण कराया है।' यह पूछे जाने पर कि क्या सभी शीर्ष वैश्विक कंपनिया ने पंजीकरण कराया है। शर्मा का जवाब सकारात्मक था।

उन्होंने कहा कि कई घरेलू कंपनियों ने भी इस योजना के लिए पंजीकरण कराया है। आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 2.0 में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी, सर्वर और अल्ट्रा-स्मॉल फॉर्म फैक्टर उपकरण शामिल हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में पर्यटन पर नहीं दिया गया ध्यान

■ गांवों में पर्यटन के विकास पर खर्च की गई कुल बजट की एक फीसद से भी कम धनराशि

नई दिल्ली (भाषा)।

कैग ने सरकार पर ग्रामीण क्षेत्र में पर्यटन के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिये जाने का उल्लेख करते हुए कहा है कि 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत मार्च, 2022 तक ग्रामीण सर्किट पर केवल 30.84 करोड़ रुपए खर्च किए गए। यह इस योजना के तहत कुल 4,239 करोड़ रुपए के व्यय का एक प्रतिशत से भी कम यानी 0.73 प्रतिशत है।

कैग की नौ अगस्त, 2023 को प्रस्तुत 'स्वदेश दर्शन योजना - पर्यटन मंत्रालय के अधीन' विषय पर प्रदर्शन आडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वदेश दर्शन योजना का एक अहम पहलू 'विषय आधारित पर्यटन सर्किट का विकास' था। विषय आधारित इन पर्यटन सर्किटों की पहचान इन स्थलों पर पर्यटकों के आने की वर्तमान संख्या, सम्पर्क, इसकी क्षमता, महत्व जैसे कारकों के आधार पर की जानी थी। इसी के अनुरूप मंत्रालय ने 15 विषय आधारित सर्किट में एक के रूप

कैग की रिपोर्ट

में 'ग्रामीण सर्किट' को चिन्हित किया जिससे ग्रामीण क्षेत्र में पर्यटन आधारभूत ढांचे के विकास किया जा सके। ऐसी उम्मीद की गई थी कि बेहतर आधारभूत ढांचे से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और इसके चलते स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के बेहतर अवसर सृजित किये जा सकेंगे।

कैग ने अपने आडिट में पाया कि मंत्रालय ने 15 विषय/सर्किट के तहत 76 परियोजनाएं मंजूर कीं। कैग की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण सर्किट के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित आठ प्रस्तावों में मंत्रालय ने छह प्रस्ताव वापस लौटा दिये और केवल दो परियोजनाओं को लिया गया जिनकी लागत 125.02 करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च, 2022 तक ग्रामीण सर्किट पर केवल 30.84 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जो इस योजना के तहत 4,239 करोड़ रुपए के कुल व्यय का केवल 0.73 प्रतिशत है।

रिपोर्ट कहती है कि उपरोक्त दो परियोजनाओं में एक 'केरल में मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन का विकास' को सितम्बर, 2018 में मंजूरी दी गई थी और यह कई स्थानों पर तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) की मंजूरी के अभाव में लंबित है।

संक्षिप्त खबरें

आईआरसीटीसी की वित्तीय स्थिति में शानदार उछाल

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की 24वीं वार्षिक आम बैठक प्रबंध निदेशक सीमा कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस आम बैठक में बताया गया कि कंपनी की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी की कुल आय 3661.90 करोड़ रुपए रही जबकि 2021-22 में यह राशि 1954.48 करोड़ थी।

अमेरिका-चीन में बनी सहमति

पेइचिंग। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और चीन के उनके समकक्ष वांग वेन्ताओ ने बेहतर व्यापारिक स्थितियों को लेकर सोमवार को सहमति व्यक्त की। रायमोंडो चीन के साथ देश के संबंधों को बेहतर करने के लिए बीजिंग की यात्रा पर पहुंची हैं। इससे पहले अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन सहित अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने जुलाई में चीन की यात्रा की थी। उन्होंने संचार में सुधार को लेकर उम्मीद जताई थी, लेकिन प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मुद्दों पर विवादों पर किसी तरह की प्रगति की कोई घोषणा नहीं की गई थी।

रियलमी के चार नए उत्पाद

नई दिल्ली। रियलमी ने एआईओटी सेगमेंट में चार अत्याधुनिक उत्पादों- 11 5जी, 11एक्स 5जी, बड्स एयर 5 और बड्स एयर 5 प्रो के लॉन्च की घोषणा की। संस्थापक एवं चेयरमैन, कैलाश एल. ने बताया कि इन अत्याधुनिक डिवाइसेज में उन्नत विशेषताओं और सहज डिज़ाइन का शानदार मिश्रण है, जो आपके अनुभव को और ज़्यादा बेहतर बनाने के लिए बनायी गई है। (एजेंसियां)

किफायती घर बनाने को कर हटाए जाएं

■ रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन नारेडको के अध्यक्ष राजन बंदेलकर का सुझाव

■ कहा, एक करोड़ रुपए मूल्य के घर पर लग जाता है 36 लाख रुपए तक का टैक्स

हैदराबाद (भाषा)। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) के अध्यक्ष राजन बंदेलकर का मानना है कि आम लोगों के लिए किफायती घर बनाने के लिए विभिन्न स्तर पर करों को हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर महंगे घरों की बात करें तो एक करोड़ रुपए का घर लेने पर 33 से 36 लाख रुपए कर के रूप में जाते हैं।

बंदेलकर ने एक साक्षात्कार में कहा, 'आज दुर्भाग्य से रियल स्टेट क्षेत्र में डेवलपर का 'मार्जिन' एकल अंक में है। सरकार को अपना अंश (शेयर) कम करना होगा।' उन्होंने कहा, 'अगर आज आप एक करोड़ रुपए का मकान खरीदते हैं, तो 33 लाख से 36 लाख रुपए सरकार के खाते में किसी न किसी कर के रूप में जाते हैं। मैं आयकर की बात नहीं कर रहा हूं। ये विभिन्न कर व राजस्व केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन को मिलता है। इस तरह मकान की कुल कीमत का एक तिहाई-हिस्सा सरकार को जाता है।'

बंदेलकर ने सरकार द्वारा घरों को किफायती बनाने के कदमों की सराहना करते हुए उनसे कुछ कर हटाने की गुजारिश भी की। उन्होंने कहा, 'सरकार किफायती घरों के लिए काफी बेहतरीन काम कर ही है, लेकिन इसे और किफायती बनाने के लिए इन सभी करों को हटाना होगा।' बंदेलकर ने नारेडको की 25वीं वर्षगांठ पर हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'जीएसटी लाने से पहले सरकार ने कहा था कि चुंगी कर हटाया जाएगा, जिसे हटाया भी गया। हालांकि, अब भी स्टाम्प शुल्क, स्थानीय कर (लोकल टैक्स) जैसी कई बाधांए हैं जो आवास खरीदने वालों पर भार बढा रही हैं।

जीडीपी का एक प्रतिशत रहेगा चालू खाते का घाटा

मुंबई (भाषा)।

व्यापार घाटा कम होने के साथ भारत का चालू खाते का घाटा (कैड) अप्रैल-जून तिमाही में घटकर करीब 10 अरब डालर रहने की संभावना है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक प्रतिशत होगा। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है।

इंडिया रेटिंग्स ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में व्यापार घाटा कम होने से चालू खाते के घाटे में गिरावट आने का अनुमान है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 18 अरब डालर यानी जीडीपी का 2.1 प्रतिशत था। हालांकि, वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रेटिंग एजेंसी को चालू खाते का घाटा बढने की आशंका है।

50 करोड़ से अधिक लोगों को जोड़ा गया जनधन योजना से

नई दिल्ली (भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि जनधन योजना के जरिए आए बदलाव और डिजिटल परिवर्तन ने देश में वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए 50 करोड़ से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में जोड़ा गया, जिनकी संचयी जमा राशि दो लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) की नौवीं वर्षगांठ पर सीतारमण ने कहा कि 55.5 प्रतिशत बैंक खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है। योजना के तहत बैंक खातों की संख्या मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से 3.4 गुना बढ़कर 16 अगस्त 2023 तक 50.09 करोड़ हो गई। कुल जमा राशि भी मार्च 2015 तक 15,670 करोड़ रुपए से बढ़कर अगस्त 2023 तक 2.03 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है।

फेक जॉब आफर के खिलाफ हिन्दुस्तान पेंसिल्स का अभियान

मुंबई (एजेंसी)। 1958 में स्थापित पेंसिल और स्टेशनरी बनाने वाली प्रसिद्ध कंपनी, हिंदुस्तान पेंसिल्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीपीएल) ने भोली-भाली आम जनता को फर्जी नौकरी के नाम पर फ्रॉड से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए है। हाल ही में कंपनी को पता चला है कि उनके प्रतिष्ठित पेंसिल ब्रांड नटराज और अप्सरा के नाम पर अनुचित तरीके से नौकरी के फर्जी ऑफर देकर धोखाधड़ी के मामले तेज़ी से फैले है। इसके तहत कुछ लोग धोखाधड़ी करते हुए खुद को एचपीपीएल के प्रतिनिधि के रूप में लोगों के समक्ष अपने आपको प्रस्तुत कर रहे है। वे एचपीपीएल के रजिस्टर्ड ऑफिस के पते और साथ ही इसके कर्मचारियों की तस्वीरों का उपयोग करके भोली भाली जनता को धोखा दे रहे है।

कंपनी ने बताया कि इन लोगों को गूगल, लिंक्डइन, व्हाट्सऐप और अन्य आनलाइन प्लेटफार्म सहित विभिन्न डिजिटल मीडिया के माध्यम से तथाकथित रूप से घर बैठे पेंसिल पैकेजिंग की नौकरी का झांसा देकर ठग दे रहे है। एचपीपीएल ने कहा कि हमने घर बैठे पेंसिल पैकेजिंग की नौकरी के ऐसे किसी भी प्रस्ताव को कभी अनुमति नही दी है। एचपीपीएल में भर्ती एक चयन प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है। इसलिए किसी फर्जी विज्ञापन पर ध्यान न दें।

नवम्बर 2025 तक केरल में कोई परिवार नहीं रहेगा गरीब

■ ओणम के मौके मुख्यमंत्री विजयन ने तय किया लक्ष्य ■ राज्य में अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं 64 हजार लोग

तिरुवनंतपुरम (वार्ता)।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घोषणा की है कि सरकार सुनिश्चित करेगी कि राज्य में एक नवम्बर, 2025 तक कोई भी परिवार गरीबी में नहीं रहे।

राजधानी में केरल पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित राज्यव्यापी ओणम सप्ताह समारोह का उद्घाटन करते हुए श्री विजयन ने कहा कि राज्य में लगभग 64,000 लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं, इस साल एक नवम्बर तक उनमें से एक वर्ग के बीपीएल श्रेणी से बाहर आने की उम्मीद है।

उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के समर्थन और समन्वय की मांग करते हुए कहा, 'उनमें से अधिकांश एक नवम्बर 2024 तक अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो जाएंगे। हमारा लक्ष्य एक नवम्बर 2025 तक राज्य को पूरी तरह से गरीबी मुक्त बनाना है।' उन्होंने कहा कि सरकार की 'नव केरलम' पहल का उद्देश्य ओणम की पारंपरिक अवधारणा से कहीं आगे जाकर एक नया समृद्ध केरल बनाना है।

विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की विभिन्न कल्याणकारी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लाइफ मिशन परियोजना ने अब तक लगभग चार लाख घरों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

ओणम सप्ताह समारोह अगले सात दिनों में राज्य की राजधानी और राज्य भर के जिलों में कई स्थानों पर विभिन्न प्रकार के शासीय, लोक, जातीय और लोकप्रिय कला रूपों को व्यापक दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने के लिए मंच तैयार करेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर भाला फेंक कर नीरज ने जीता स्वर्ण पदक

सात साल में सात स्वर्ण : नीरज सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ भारतीय 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सात साल में सात स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भारत के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ भारतीय 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट बन गए हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने 2016 दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर की। इससे पहले वह टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल (2018) स्वर्ण, चार डायमंड लीग व्यक्तिगत मीटिंग खिताब और पिछले साल डायमंड लीग चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके हैं। वह 2016 में जूनियर विश्व चैंपियन और 2017 में एशियाई चैंपियन भी रहे।

अपना वजन कम करने के लिए खेलना शुरू करने वाले नीरज चोपड़ा का हरियाणा के एक गांव से भारत के महानतम खिलाड़ियों में नाम दर्ज कराने तक का सफर इतना गौरवमयी रहा है कि हर कदम पर एक नई विजयगाथा वह लिखते चले जा रहे हैं। खेलों के महासमर में एथलेटिक्स में लंबे समय से पदक का सपना संजोए बैठे भारत को रातोंरात मानों एक चमकता हुआ सितारा मिल गया। पूरा देश उसकी कामयाबी की चकाचौंध में डूब गया और यह सिलसिला बदस्तूर जारी है।

स्टॉकहोम डायमंड लीग 2022

नीरज चोपड़ा ने स्वीडन में डायमंड लीग 2022 में 89.94 मीटर के जेवलिन थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इस थ्रो के साथ, उन्होंने फिनलैंड में पावो नुरमी गेम्स में सेट किए गए अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.30 मीटर को बेहतर किया।

दोहा डायमंड लीग, 2023

नीरज के 88.67 के थ्रो ने उन्हें 2023 में दोहा डिमोंड लीग में फिर से स्वर्ण पदक दिलाया। नीरज ने अपने पहले प्रयास में स्वर्ण पदक जीता।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2022

नीरज ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 88.13 मीटर के प्रयास के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

नीरज चोपड़ा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एशियन गेम्स, 2018

नीरज ने 2018 में एशियाई खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 88.06 मीटर का थ्रो कर इतिहास रचा था।

लुसान डायमंड लीग, 2023

नीरज ने 87.66 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उन्होंने पांचवें प्रयास में जाकर थ्रो किया और सीधे स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। उनके गोल्डन आर्म का जादू एक बार फिर चला।

टोक्यो ओलंपिक, 2020

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर नीरज रातोंरात सनसनी बन गए थे। अपने दूसरे थ्रो में उन्होंने 87.58 मीटर की दूरी तय की और भारत को ओलंपिक का पहला ट्रैक एंड फील्ड गोल्ड दिलाया।

विश्व चैंपियनशिप 2023

88.17 मीटर का थ्रो किया और स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रतियोगिता के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।

तिरंगा तले नदीम नीरज ने जीता दिल

सोशल मीडिया पर तेजी से वीडियो वायरल हो रहा है। मुकाबले के बाद जब नीरज चोपड़ा और पाक के एथलीट अरशद नदीम को फोटो सेशन के लिए बुलाया तो इस दौरान नीरज और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले याकूब वालेश अपने देश का झंडा लेकर फोटो क्लिक कराने के लिए तैयार रहे, तभी नीरज की नजर अरशद पर पड़ी जो दूर खड़े थे। अरशद को नीरज फोटो क्लिक कराने के लिए बुलाते हैं। लेकिन नीरज अपने देश के झंडे के साथ होते है, वहीं, अरशद अपने देश का झंडा लाना भूल जाते हैं। ऐसे में विश्व चैंपियन नीरज पाकिस्तानी खिलाड़ी एथलीट को पीछे से तिरंगे से सहारा देते हुए दिखाई दिए।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने नीरज को दी बधाई

'नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बनकर भारतीय खेलों के इतिहास में एक और सुनहरा पन्ना जोड़ दिया। बुडापेस्ट में भालाफेंक फाइनल में उनका बेहतरीन प्रदर्शन हमारे लाखों युवाओं को प्रेरित करेगा।'
-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

'प्रतिभाशाली नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का उदाहरण हैं। उनकी प्रतिबद्धता, जुनून और जज्बा उन्हें सिर्फ एथलेटिक्स में ही नहीं बल्कि समूचे खेल जगत में अद्वितीय उत्कृष्टता का परिचायक बनाता है।विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई।'
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'नीरज चोपड़ा ने फिर कर दिखाया। भारतीय एथलेटिक्स के गोल्डन ब्वॉय ने बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पूरे देश को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। यह पल भारतीय खेलों के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।'
-अनुराग ठाकुर, खेल मंत्री

बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा को जीत दर्ज करते देखकर अपार गर्व का अनुभव हुआ। तुम्हारी प्रतिबद्धता और परिश्रम सभी के लिए मिसाल है। बधाई हो विश्व चैंपियन। आपके जैसे सितारों के रहते भारत और चमक रहा है।'
-अभिनव बिंद्रा

फेंको तो ऐसे फेंको कि चार लोग बोले क्या फेंका है यार। 88.17 मीटर दूर भाला फेंका और हमारे चैंपियन नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। जीत का सिलसिला जारी है।'
-वीरेंद्र सहवाग, पूर्व क्रिकेटर

ओलंपिक चैंपियन भालाफेंक में विश्व चैंपियन बना। नीरज चोपड़ा ने 88.17 मीटर के थ्रो के साथ पिछले साल के रजत को बुडापेस्ट में चमचमाते स्वर्ण में बदला।
-विश्व एथलेटिक्स

भारतीय सेना सूबेदार नीरज चोपड़ा को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देती है।
-भारतीय सेना

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई। आप इस गोल्डन टच के साथ देश के लिए आगे भी उपलब्धियां हासिल करते रहें। हमेशा आशीष।'
-पी टी उषा

खबर संक्षेप

निशिकोरी अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन 2014 के उपविजेता केइ निशिकोरी ने इस साल बाएं घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया है। पुरुष एकल वर्ग में उनकी जगह क्वालीफायर में हारने वाले जेम्स डकवर्थ ने ली है। डकवर्थ का सामना मंगलवार को पहले दौर में फेलिप मेलिजेनी अल्वेस से होगा। जापान के 33 वर्ष के निशिकोरी का जनवरी 2022 में कूल्हे का आपरेशन हुआ था। उन्होंने जुलाई में टेनिस कोर्ट पर वापसी की लेकिन बायें घुटने में दिक्कत के कारण उसके बाद नहीं खेल सके।

हैदराबाद ने ब्राजील के फेलिप से करार किया

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग फुटबॉल टीम हैदराबाद एफसी ने सोमवार को ब्राजील के स्ट्राइकर फेलिप डा सिल्वा एमोरिम से अनुबंध की घोषणा की जिससे टीम को मजबूती मिलेगी। एमोरिम ने हैदराबाद एफसी के साथ एक साल का करार किया है और यह 32 वर्षीय खिलाड़ी 2023-24 सत्र से पहले टीम से जुड़ेगा।

गंडास का प्राग में निराशाजनक प्रदर्शन

प्राग। भारतीय गोल्फर मनु गंडास ने बोगीरहित चार अंडर 68 का स्कोर करके डी प्लस डी रीयल चेक मास्टर्स गोल्फ में 60वां स्थान हासिल किया। पिछले सत्र में इंडियन पीजीटीआई टूर आर्डर आफ मेरिट जीतकर डीपी विश्व टूर के लिये क्वालीफाई करने वाले गंडास अब 18 टूर्नामेंट खेलकर सात में कट में प्रवेश कर चुके हैं।

सत्र के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर रहे भुल्लर

सेंट एंड्रयूज। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर सत्र का सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल करते हुए शुरुआती सेंट एंड्रयूज बे चैम्पियनशिप में पांचवें नंबर पर रहे। भुल्लर तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर चल रहे थे। उन्होंने दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह 17 अंडर के स्कोर पर रहे। एशियाई टूर पर 10 बार के विजेता भुल्लर अंतिम दिन 10 होल तक दो अंडर के स्कोर पर चल रहे थे जिससे वह खिताब हासिल करने की दौड़ में बने हुए थे।

भारत बना महिला हॉकी-5 एशिया कप चैंपियन, थाईलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶ सालालाह

मारियाना कुजूर और ज्योति के दो-दो गोल की मदद से भारत ने सोमवार को यहां थाईलैंड को 7-2 से करारी शिकस्त देकर पहला महिला एशियाई हॉकी-5 विश्व कप क्वालीफायर जीता और अगले साल होने वाले विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। भारत के लिए मारियाना कुजूर (दूसरा, 8वां मिनट) और ज्योति (10वां, 27वां मिनट) ने दो-दो गोल किए, जबकि मोनिका टोप्पो (7वां), कप्तान नवजोत कौर (23वां) और महिमा चौधरी (29वां) ने एक-एक गोल दागा।

विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

थाईलैंड के लिए कुंजिरा इनपा (5वें) और सानपौंग कोर्नकानोक (5वें) ने गोल किए। भारत में इस तरह से अगले साल 24 से 27 जनवरी के बीच मस्कट में होने वाले हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इससे पहले कप्तान नवजोत कौर की हैट्रिक की बदौलत भारत ने मलेशिया को 9-5 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी। हॉकी इंडिया ने टीम की प्रत्येक खिलाड़ी के लिए दो-दो लाख रुपए जबकि सहयोगी स्टाफ के लिए एक-एक लाख रुपए के पुरस्कार की घोषणा की।

जेना को 25 लाख का अवार्ड देने की घोषणा

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की जो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले ओडिशा के पहले खिलाड़ी हैं। जेना रविवार को बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। पटनायक ने कहा, 'किशोर जेना की उल्लेखनीय यात्रा और बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में असाधारण प्रदर्शन ने ना केवल हमारे राज्य और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है, बल्कि वह आने वाले वर्षों में कई एथलीटों को प्रेरित भी करेगा।'

वर्ल्ड चैंपियन का सम्मान...

नई दिल्ली। भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम की खिलाड़ी सोमवार को नई दिल्ली में एक सम्मान समारोह के बाद तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं। टीम ने बर्मिंघम में विश्व खेल 2023 में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता है।

क्रिकेट : पहली बार 'रेड कार्ड' का उपयोग, नरेन बने शिकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर पहली बार रेड कार्ड का इस्तेमाल हुआ है। यह अनोखा कारनामा वेस्टइंडीज की धरती पर खेली जा रही कैरेबियन प्रीमियर लीग में देखने को मिला है। फुटबॉल की फील्ड से आए इस नए नियम का पहला शिकार सुनील नरेन बने हैं। अंपायर ने नरेन को रेड कार्ड दिखाते हुए मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया।

सीपीएल

दरअसल, कैरेबियन प्रीमियर लीग 2023 में इस नए नियम की शुरुआत इसी सीजन से हुई है। स्लो ओवर रेट पर लगाम लगाने के लिए इस नए नियम को लागू किया गया है। ट्रिबैंगो नाइट राइडर्स और सेंट किट्स एंड नेविस प्रिटोरियस के बीच खेले गए मुकाबले में पहली बार क्रिकेट की फील्ड पर रेड कार्ड का इस्तेमाल किया गया।

नाइट राइडर्स की टीम तय समय तक अपने 19 ओवर नहीं फेंक सकी थी, जिसके चलते अंपायर ने टीम के गेंदबाज सुनील नरेन को रेड कार्ड दिखाते हुए मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया।

10 खिलाड़ियों के साथ खेली टीम

नाइट राइडर्स की टीम पारी के 20वें ओवर में ग्यारह नहीं, बल्कि सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेली। क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई भी टीम मैदान पर 10 प्लेयर्स के साथ फील्डिंग करती हुई नजर आई हो। हालांकि, ट्रिबैंगो नाइट राइडर्स की टीम इस मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम करने में जरूर सफल रही। 179 रन के लक्ष्य को टीम ने महज 17.1 ओवर में हासिल किया।

नरेन को मिला पहला रेड कार्ड

नियम के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय तक अपने 19 ओवर नहीं फेंक पाती है, तो कप्तान एक खिलाड़ी का नाम आगे करता है, जिसको अंपायर रेड कार्ड की मदद से मैदान से बाहर जाने के लिए कहता है। नाइट राइडर्स के कप्तान पोलार्ड ने समय से पिछड़ने के बाद सुनील नरेन का नाम अंपायर के सामने रखा, जिसके बाद कैरेबियाई स्पिनर को मैदान से बाहर जाना पड़ा। हालांकि, नरेन मैच में अपने कोटे के चार ओवर फेंक चुके थे।

मदुशनाका भी श्रीलंका के चोटिल गेंदबाज

कोलंबो। सह मेजबान श्रीलंका की एशिया कप की तैयारियों को एक और झटका लगा जब उसके तेज गेंदबाज दिलशान मदुशनाका सोमवार को टीम के चोटिल गेंदबाजों की सूची में जुड़ गये जिसमें लाहिरू कुमारा, दुष्मंता चामीरा और वानिंदु हसारंगा शामिल हैं। श्रीलंका क्रिकेट की चिकित्सा समिति के चेयरमैन अर्जुन डि सिल्वा ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' को बताया कि मदुशनाका शुक्रवार को अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए और हो सकता है वह विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल नहीं कर पाएं।

अगले दो महीने में टीम के साथ यादें बनाना चाहता हूं : रोहित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रोहित शर्मा स्वदेश में होने वाले विश्व कप से जुड़े भारी दबाव को समझते हैं लेकिन भारतीय कप्तान खुद को बाहरी बातों से दूर रखना चाहते हैं क्योंकि वह एक दशक में देश के लिए पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की कठिन यात्रा पर निकल रहे हैं। भारत के 36 वर्षीय कप्तान के कंधों पर एक अरब से अधिक लोगों की उम्मीदों का बोझ है और उन्हें पता है कि पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हो रहे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में क्या दांव पर लगा है।

बेंगलुरु में एशिया कप के शिविर से जुड़ने से पहले रोहित ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं खुद को सहज रखूं और उन बाहरी तत्वों के बारे में चिंता नहीं करूं जो सकारात्मक या नकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। मैं उस चरण में जाना चाहता हूं जिसमें मैं 2019 विश्व कप से पहले था।' पिछले टूर्नामेंट में अभूतपूर्व पांच शतक के साथ 648 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे रोहित ने कहा, 'मैं मानसिक रूप से काफी अच्छी स्थिति में था और टूर्नामेंट के लिए काफी अच्छी तैयारी की थी।'

अंगद, मनीषा और प्रीति को शामिल करने किया आग्रह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने खेल मंत्रालय से तीन शॉटगन निशानेबाजों स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा और महिला ट्रैप निशानेबाज मनीषा कीर और प्रीति रजक को एशियाई खेलों के दल में शामिल करने का आग्रह किया है, जिससे कि इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में देश की पदक की उम्मीदें बढ़ सके।

एनआरएआई ने चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए प्रारंभिक सूची में इन तीनों खिलाड़ियों का नाम शामिल किया था लेकिन पिछले सप्ताह खेल मंत्रालय ने अंतिम सूची से इनका नाम हटा दिया था। अंगद वीर ने बाकू में चल रही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में मंत्रालय द्वारा तय किए गए क्वालीफाइंग मार्क को हासिल किया था, जबकि मनीषा, प्रीति और राजेश्वरी की टीम ने महिलाओं की टीम ट्रैप स्पर्धा में पांचवां स्थान हासिल किया था। बाकू में अपने प्रदर्शन के बाद महिला ट्रैप टीम एशिया में चीन के बाद दूसरे और दुनिया में पांचवें स्थान पर है। राजेश्वरी ने विश्व चैंपियनशिप में देश के लिए पेरिस ओलंपिक का कोटा भी हासिल किया।

गावस्कर ने की नीरज, प्रज्ञाननंदा और प्रणय की उपलब्धियों की सराहना

10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा भारत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, शतरंज के उदीयमान खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा और बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत को अगले 10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा। चोपड़ा रविवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने जबकि 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा ने पिछले सप्ताह विश्व कप के फाइनल में जगह बना कर इतिहास रचा।

प्रणय ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और इस दौरान विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन को हराया। गावस्कर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, 'इससे पहले आपने देखा होगा कि केवल कुछ खेलों पर ही चर्चा होती थी और इन्हीं खेलों को मीडिया में कवरेज मिलती थी। लेकिन अब सभी खेलों को लेकर चर्चा होती है और इन खेलों को भी पर्याप्त कवरेज मिलती है। हमें इन खेलों में नए स्टार खिलाड़ी मिल रहे हैं।'

प्रणय और प्रज्ञाननंदा का भविष्य उज्जवल

गास्कर ने कहा, 'दूसरी तरफ बैडमिंटन में प्रणय सेमीफाइनल में पहुंचे और उन्होंने विक्टर एक्सेलसेन को हराया। अगर आप अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को खेल राष्ट्र मानते हो तो मुझे लगता है कि 10-15 वर्षों में भारत को भी खेल राष्ट्र कहा जाएगा।' उन्होंने प्रज्ञाननंदा की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वह उपविजेता रहा। वह अभी केवल 18 वर्ष का है और भविष्य में कई खिताब जीत सकता है।'

एशियाई हॉकी 5 में भारत अपने अभियान की शुरूआत बांग्लादेश के खिलाफ करेगा

भारतीय पुरुष टीम ओमान के सालालाह में एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरूआत मंगलवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत एलीट पूल में मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, ओमान और बांग्लादेश के साथ है जबकि चैलेंजर्स पूल में हांगकांग, चीन, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, कजाखस्तान और ईरान शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरू करने के बाद भारत का सामना ओमान से होगा। फिर टीम 30 अगस्त को ओमान और पाकिस्तान से भिड़ेगी जबकि 31 अगस्त को मलेशिया और जापान के सामने होगी। भारत को 2024 एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप में जगह बनाने के लिए शीर्ष तीन में रहना होगा। अगले साल इस वैश्विक टूर्नामेंट में कुल 16 देश हिस्सा लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मंदीप मोर ने प्रतिस्पर्धा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, हर खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सपना विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करने का होता है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम 2024 एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं ताकि हमें बड़े मंच पर खेलने का मौका मिले।

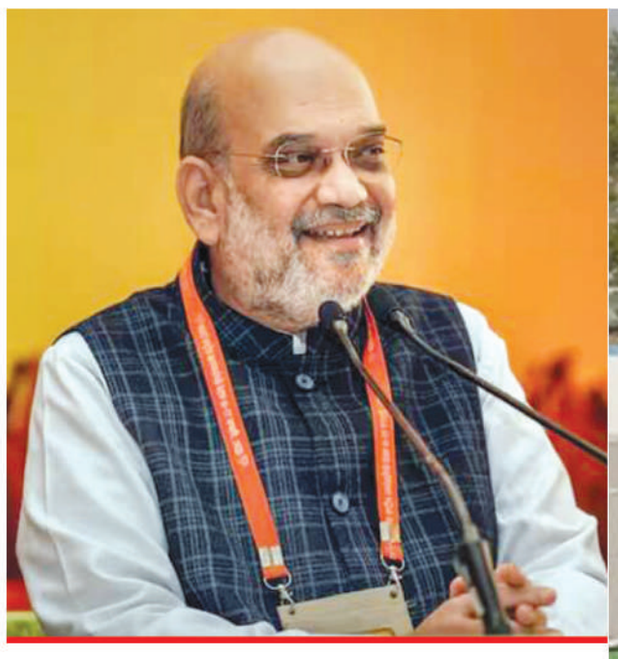

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 साल का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि, भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था बनाएँ, जिसमें हर वर्ग को विकास का लाभ मिल सके। मध्यप्रदेश इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना योगदान देने के लिए निरंतर परिश्रम कर रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास के हर क्षेत्र के लिए योजनाएँ बनाई हैं। आज हमें परिणाम मिलना शुरू हो गए हैं। हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। केंद्र सरकार की अनूठी योजनाएँ, उदार वित्तीय सहयोग और प्रदेश की नवाचारी विकास रणनीतियाँ मिल कर एक नया मध्यप्रदेश बनाने में सहयोगी साबित हो रही हैं। मध्यप्रदेश की आर्थिक गतिशीलता में अब कोई बाधा नहीं है।

शिवराज सरकार की कल्याणकारी नीतियों से मध्यप्रदेश का हो रहा समग्र विकास

मजबूत हो रही मप्र की अर्थव्यवस्था

मप्र में दूरदर्शी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नीतियों के कारण कोरोना संक्रमण काल के कठिन दौर में भी प्रदेश ने अपनी क्षमता साबित की है, जिससे संकटकाल में भी प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूती से खड़ी रही। प्रदेश ने वैश्विक स्तर पर उपजी चुनौतियों का डटकर सामना किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ''हम प्रदेश को डिजिटल इकोनॉमी बनाने की राह चल पड़े हैं। हमें पारंपरिक पद्धतियों से हट कर आधुनिक पद्धतियों को अपनाना होगा। प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था को भी पूरी तरह से डिजिटाइज़ करने का यह अनुकूल समय है। मध्यप्रदेश की अर्थ-व्यवस्था हर क्षेत्र में विस्तार ले रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नए क्षेत्रों में भी निवेश हो रहा है। एमएसएमई क्षेत्र में तेजी से स्टार्ट-अप बढ़ रहे हैं। सकल राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय अभूतपूर्व रूप से बड़ी है। अर्थ-व्यवस्था का आकार कई गुना बढ़ चुका है और आने वाले वर्षों में यह विशाल रूप ले लेगा। अर्थ-व्यवस्था के हर क्षेत्र में आत्म-निर्भरता हासिल करना और रोजगार के अवसर पैदा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग सेक्टर में बढ़ी संभावनाएं

मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए आदर्श सड़कें एवं रेल कनेक्टिविटी है। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण लॉजिस्टिक का खर्च बेहद कम है। देश की 50 प्रतिशत आबादी मध्यप्रदेश से जुड़ी हुई है। इससे विशाल उपभोक्ता बाजार पर नियंत्रण किया जा रहा है। प्रदेश में 40 एमएमटी की वेयरहाउसिंग और 13.2 एमएमटी की कोल्ड स्टोरेज क्षमता है। भारत सरकार के सहयोग से इंदौर और भोपाल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण हो रहा है। प्रदेश स्टील साइलो निर्माण के क्षेत्र में भी अग्रणी है। प्रदेश में लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग इकाई / पार्क के लिए आकर्षक इंसेंटिव पॉलिसी है।

अक्षय ऊर्जा ने समृद्ध किया प्रदेश

मध्यप्रदेश अक्षय ऊर्जा के सृजन लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य की अक्षय ऊर्जा की क्षमता साल 2012 की तुलना में 11 गुना बढ़ गई है। सर्वाधिक सोलर रेडिएशन के कारण राज्य सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए आदर्श स्थान है। तकनीकी रूप से मजबूत अक्षय ऊर्जा पॉलिसी बनाकर अक्षय ऊर्जा उपकरण निर्माण और इनोवेशन करने वाला पहला राज्य है। अक्षय ऊर्जा का मध्य प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में 20 प्रतिशत का योगदान है। साँची को राज्य की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित किया गया है। रीवा सोलर पॉवर प्रोजेक्ट को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसीडेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

अधो-संरचना विकास से मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने मध्यप्रदेश को अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय बना दिया है। प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, पर्यटन, जल-संवर्धन, सिंचाई, निवेश, स्व-रोजगार और अधो-संरचना विकास के साथ उन सभी पहलुओं पर सुविचारित एवं सर्वांगीण विकास की नवीन गाथा लिखी गई जो जन-कल्याण के साथ विकास के लिये जरूरी हैं बेहतर वित्तीय प्रबंधन और चौतरफा विकास से आज प्रदेश की विकास दर 19.7 प्रतिशत है, जो देश में सर्वाधिक है। देश की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश 4.6 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में बीते दशक में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2001-02 में 4.43 प्रतिशत की दर आज बढ़ कर 16.43 प्रतिशत हो गई है प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 71 हजार 594 करोड़ रूपए से बढ़ कर 13 लाख 22 हजार 821 रूपए हो गया है। वर्ष 2001-02 में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार 718 रूपए थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ कर एक लाख 40 हजार 583 रूपए हो गई है। राज्य की जीएसडीपी की वृद्धि दर विगत एक दशक में राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर से अधिक रही है।

अधोसंरचना विकास योजना के लिये 1700 करोड़ स्वीकृत

राज्यसरकार ने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अधो-संरचना विकास के लिए ''मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना'' चतुर्थ चरण को दो वर्षों (वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25) के लिए राशि रुपए 1700 करोड़ स्वीकृत की गई है। योजना में सड़क निर्माण तथा अनुषांगिक कार्य, शहरी यातायात सुधार, नगरीय सौन्दर्यीकरण, सामाजिक एवं खेल अधोसंरचनाएँ, उद्यान विकास सम्बन्धी कार्यों के साथ ही निकाय के कार्यालय भवन निर्माण/ उन्नयन के कार्य किए जा रहे हैं। योजना का क्रियान्वयन विभागीय मार्गदर्शन में नगरीय निकायों द्वारा किया जा रहा है। इस योजना के लागू किये जाने से, विभिन्न शहरों में आवश्यक अधोसंरचनाएँ उपलब्ध हुई है।

मध्य प्रदेश में उद्योग सेक्टर्स का हुआ विकास

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को कंपलीट बिजनेस सॉल्यूशन के साथ फ्यूचर रेडी स्टेट बनाने से प्रदेश में निवेश के लिए देश-विदेश के निवेशकों का रुझान बढ़ रहा है। यहाँ बिजनेस स्टार्ट करने के लिये शासकीय अनुमतियों से लेकर इंडस्ट्री प्रारंभ करने के बाद उसके सफल संचालन के लिये आवश्यक सभी सुविधाएँ आसानी से प्राप्त हो जाती हैं। राज्य में खेती एवं प्रोसेसिंग क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है, जिससे औद्योगिक निवेश के लिए माहौल बन रहा है। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, टेक्सटाईल, लॉजिस्टिक, आईटी, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, शहरी विकास ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। राज्य में कुशल मानव संसाधन और उचित मूल्य पर भूमि की उपलब्धता, राज्य में औद्योगिक वातावरण को तैयार करती है। सरकार की नीति और प्रशासन का सहयोग इस दिशा में मददगार साबित हो रहा है। मध्य प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए वह सभी कुछ है, जो निवेश के लिए आवश्यक है। मध्य प्रदेश सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण सेक्टर्स का चुनाव किया है, जो सरकार की 550 बिलियन अमरीकी डॉलर अर्थ-व्यवस्था की सोच को साकार करने में सहयोग करेंगे।

टेक्सटाईल एवं गारमेंट उद्योग बने रीढ़ की हड्डी

मध्यप्रदेश में टेक्सटाईल एवं गारमेंट सेक्टर में भी सतत् प्रगति हो रही है। राज्य 43 प्रतिशत भारतीय और 24 प्रतिशत वैश्विक जैविक रूई का उत्पादक है। यहाँ 60 से अधिक टेक्सटाईल यूनिट में 4 हजार से अधिक लूम्स और 2.5 मिलियन स्पिंडल्स संचालित हैं। राज्य के टेक्सटाईल सेक्टर में स्पिनिंग से लेकर बुनाई, गारमेंटिंग की सभी प्रक्रिया रूप से संचालित हैं। भारत सरकार की पीएलआई योजना में राज्य के टेक्सटाईल सेक्टर को 3513 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है। गारमेंट यूनिट के प्लांट एवं मशीनरी में निवेश का 200 प्रतिशत तक का पॉलिसी इंसेंटिव दिया जाता है। प्रदेश में 200 से अधिक रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर एवं इन्दौर में अपैरल डिजाइनिंग सेंटर स्थित है। एनआईएफटी, एनआईडी भोपाल और आईआईआईटीडीएम जबलपुर जैसे अंतर्राष्टीय स्तर के फैशन डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट मध्यप्रदेश के टेक्सटाईल उद्योग की रीढ़ हैं।

फार्मास्यूटिकल सेक्टर ने दी स्वास्थ्य सुरक्षा

मध्यप्रदेश में फार्मास्यूटिकल सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोरोना काल में यहाँ की दवाइयाँ विदेशों में निर्यात की गईं। इन्दौर, देवास, भोपाल, मंडीदीप, मालनपुर और पीथमपुर स्पेशल इकोनॉमिक जोन में फार्मा क्लस्टर है। यहाँ 300 फार्मा एवं मेडिकल यूनिट से 1 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना की गई है। साल 2021 में राज्य से 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का फार्मा निर्यात किया गया। अमेरीका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, ब्राजील, हॉलैंड सहित विश्व के 160 से अधिक देशों में राज्य में बनने वाली दवाइयाँ निर्यात की जा रही हैं। राज्य को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त 73 फार्मेसी इंस्टीट्यूट से 9 हजार से अधिक स्किल्ड प्रोफेशनल प्रतिवर्ष प्राप्त हो रहे हैं। फार्मा सेक्टर के विकास और क्षमता को देखते हुए प्रदेश में फार्मा औद्योगिक पार्क की स्थापना की जा रही है।

ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग सेक्टर को मिला बढ़ावा

ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 10 से अधिक उपकरण निर्माता और 200 से अधिक ऑटो कंपोनेंट निर्माता कार्यरत हैं। इन्दौर और भोपाल में भारत के अग्रणी ऑटो क्लस्टर्स हैं। पीथमपुर में 4500 हेक्टेयर में विकसित औद्योगिक क्लस्टर 25 हजार से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। इंदौर में एशिया का सबसे लंबे और तेज गति के टेस्टिंग ट्रेक नेट्रेक्स की स्थापना की गई है।

फूड प्रोसेसिंग एवं कृषि क्षेत्र में उन्नति लाई प्रदेश सरकार

मध्यप्रदेश को भारत का फूड बास्केट कहा जाता है। यहाँ 45 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि है, जो 10 प्रमुख नदियों से जुड़ी है। इस वजह से जिसके कारण राज्य में उत्तम सिंचाई व्यवस्था है। प्रदेश उद्यनिकी फसलों, मसालों, संतरा, अदरक, लहसुन आदि के उत्पादन में अग्रणी है। मध्यप्रदेश दलहन, तिलहन एवं डेयरी उत्पाद में भी अग्रणी है। राज्य में 8 सरकारी फूड पार्क और 2 निजी मेगा फूड पार्क है। इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर में सरकारी कृषि कॉलेज संचालित हैं। प्रदेश को 7 बार भारत सरकार से कृषि क्षेत्र का प्रतिष्ठित 'कृषि कर्मण' पुरस्कार मिलना प्रदेश की उन्नत कृषि का संकेत है।

रक्षा क्षेत्र एवं एयरोस्पेस ने प्रदेश को बनाया सुरक्षित

मध्यप्रदेश रक्षा उपकरण निर्माण के लिए आदर्श राज्य है। यहाँ रेअर अर्थ मेटल प्रोसेसिंग, अनुसंधान एवं विकास ट्रेनिंग के लिए भोपाल में रेयर अर्थ एंड टाइटेनियम थीम पर काम किया जा रहा है। राज्य में 4 पीएसयू जबलपुर और 1-1 पीएसयू कटनी और इटारसी में है। प्रदेश में भारत की पहली निजी क्षेत्र की लघु हथियार निर्माण यूनिट स्थापित की गई है। 5 कॉमर्शियल हवाई अड्डे तथा भोपाल और इंदौर के हवाई अड्डे एमआरओ गतिविधियों के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ इंडस्ट्री एवं सिविल हवाई सेवा के लिए 26 एयर स्ट्रिप हैं। मेगा इन्वेस्टमेंट रीजन के साथ इंदौर के समीप ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जा रहा है।

पहल मध्यप्रदेश में आकार ले रहा है दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट परियोजना ने खोले विकास के द्वार

मध्य प्रदेश में दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट बनाया गया है। ये प्लांट नर्मदा नदी के तट पर बसे ओंकारेश्वर में बनाया गया है। ओंकारेश्वर डैम पर हम सोलर पैनल बिछाएंगे। दुनिया में अब तक केवल 10 फ्लोटिंग पॉवर प्लांट हैं। ओंकारेश्वर दुनिया का सबसे बड़ा प्लांट है फ्लोटिंग सोलर प्लांट से विस्थापन जीरो फीसदी है। इस प्लांट से बिजली के अलावा कई फायदे होंगे। यह पॉवर प्लांट 600 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने की क्षमता रखता है, यह परियोजना दो चरणों में पूरी हो रही है पहले चरण में 278 मेगावॉट का प्रोजेक्ट है। जिसका काम पूरा हो गया है। ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर योजना एमपी की पहली और दुनिया की सबसे बड़ी फ्लोटिंग परियोजना में से एक है। अभी तक सौर परियोजना आम तौर पर जमीन पर ही विकसित होती थी, इस परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत शीघ्र ही की जाएगी।

सोलर रूफटॉप परियोजनाओं से 41 मेगावाट के कार्य

प्रदेश में सोलर रूफटॉप परियोजनाएँ काफी महत्वपूर्ण हैं। अब-तक 41 मेगावाट के 3 हजार 642 कार्य विभिन्न स्तरों पर कार्यशील हैं। प्रदेश के पुलिस विभाग के भवनों, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, जेल, तकनीकी संस्थान आदि शासकीय भवनों की छतों पर रूफटॉप परियोजना स्थापित की जा रही हैं। 2021-22 में 40 मेगावाट क्षमता के सौर रूफटॉप संयंत्रों को बड़े शासकीय भवनों में स्थापित किया जा चुका है। मध्यप्रदेश के सोलर रूफटॉप कार्यक्रम में कई नवाचार किये गये, जिन्हें राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना के साथ इनका अनुसरण भी किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कुसुम-'अ' योजना से किसानों को हो रही अतिरिक्त आमदनी

यह किसानों की आर्थिक उन्नति वाली योजना है। किसान अपनी कम उपजाऊ या बंजर जमीन पर सोलर संयंत्र की स्थापना कर राज्य शासन को न केवल बिजली बेच रहे हैं बल्कि खुद भी भरपूर बिजली का इस्तेमाल कर रहे हैं। परियोजना में प्रदेश के 357 किसानों की 2 हजार 961 एकड़ भूमि पर 600 मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजनाएँ लगाई गई हैं।

प्रधानमंत्री कुसुम-'स' योजना में 25 हजार पम्पों को सोलराइज किया गया

इस योजना में खेती के लिये किसानों के यहाँ स्थापित ग्रिड कनेक्टेड सिंचाई पम्पों को सोलराइज करने का काम किया गया है। इसमें कृषि फीडर को सोलराइज कर किसानों को सिंचाई के लिये निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने के साथ अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। खेत में उचित क्षमता का सोलर पॉवर पैक स्थापित कर पम्प को ऊर्जित किया जाता है। किसान को अतिरिक्त उत्पादित होने वाली बिजली का लाभ अतिरिक्त आय के रूप में मिल रहा है। वर्ष 2021-22 में 25 हजार ग्रिड कनेक्टेड सोलर पम्पों को सोलराइज किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना में 23,500 किसानों को मिला लाभ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना से किसानों को बहुत फायदा हुआ है। दूर-दराज इलाकों में भी किसान सोलर पम्प की सहायता से भरपूर सिंचाई कर फसलें ले रहे हैं। फसलें वर्षा आश्रित न रहने से गाँव से पलायन भी रुका है। वर्तमान वर्ष में अब-तक 6 हजार 871 सोलर पम्प स्थापित किये जा चुके हैं और लगभग 23 हजार 500 किसानों ने सोलर पम्प स्थापना के लिये पंजीयन कराया है, जो बढ़कर 45000 पहुँच गया है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना को लागू करने में बीएचयू के प्रयासों की सराहना की

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बीएचयू में चल रही तथा आगामी स्वास्थ्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित चिकित्सा विज्ञान संस्थान के उन्नयन तथा यहां स्वास्थ्य व ढांचागत सुविधाओं के विकास हेतु हर संभव सहायता दी जाएगी स्वास्थ्य मंत्री रविवार को विश्वविद्यालय के लक्ष्मण दास अतिथि गृह में एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे बैठक में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. पॉल, कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे` बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने विश्वविद्यालय में चल रही तथा आगामी स्वास्थ्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की मनसुख मांडविया ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा मिलकर साझा प्रयासों से वित्त तथा गवर्नेंस संबंधी चुनौतियों का समाधान निकाला जाएगा जिससे आमजन को बेहतर व त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें उन्होंने कहा कि बीएचयू का चिकित्सा विज्ञान संस्था अपने आप में विशिष्ट है क्योंकि यह शिक्षण संस्थान के साथ साथ एक प्रमुख चिकित्सा केन्द्र भी है ऐसे में इसकी अपनी आवश्यकताएं हैं जिन्हें पूरा करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं` स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि आमजन को इस योजना का लाभ मिलने की राह में कोई अड़चन न आए और कोई भी लाभार्थी इसका लाभ पाने से वंचित न रह जाए` नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. पॉल ने कहा कि यह योजना आम जनता को निशुल्क स्वास्थ्य कवरेज मुहैया कराने का प्रधानमंत्री जी का वादा है और हम सभी इस वादे को साकार करने के लिए प्रयास करने होंगे` बैठक के दौरान कुलपति जी ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित सर सुन्दरलाल चिकित्सालय तथा ट्रॉमा सेन्टर एक बड़ी आबादी तथा भूभाग की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करते हैं ऐसे में यहां की स्वास्थ्य सुविधाओं व ढांचागत व्यवस्थाओं को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है कुलपति जी ने स्वास्थ्य मंत्री को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया में आने वाली अस्पताल की चुनौतियों से भी अवगत कराया` ट्रॉमा सेन्टर के आचार्य प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बीएचयू में जारी ढांचागत परियोजनाओं की प्रगति तथा आगामी योजनाओं की स्थिति से अवगत कराया उन्होंने नई परियोजनाओं के लिए जरूरी धन व संसाधनों की आवश्यकताओं से भी स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया ` सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. के.के. गुप्ता ने आयुष्मान भारत योजना के संबंध में जानकारी साझा की` बैठक में कुलगुरू प्रो. वी.के. शुक्ला, कुलसचिव प्रो.अरुण कुमार सिंह, वित्ताधिकारी डॉ. अभय ठाकुर, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एस. के. सिंह, डीन रीसर्च, आईएमएस, प्रो. अशोक चौधरी तथा विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित अन्तर्सदनीय खेल-कूद प्रतियोगिता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर संत अतुलानन्द कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर, हरहुआ, वाराणसी में अन्तर्सदनीय खेल-कूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई मार्च पास्ट और मशाल दौड़ के पश्चात कक्षा-12 के विद्यार्थी नितिन सिंह ने खेल के प्रति समर्पित भावना हेतु विद्यार्थियों को शपथ दिलायी तथा संस्था सचिव राहुल सिंह ने प्रतियोगिता आरम्भ होने की औपचारिक घोषणा की। इस प्रतियोगिता में 100X4 मीटर रिले रेस के साथ-साथ 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर तथा 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुयी जिसमे सभी 6 हाउस के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया साथ ही साथ लांग जंम्प तथा शॉट-पुट प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखायी दिया` इस प्रतियोगिता में सभी सदनों ने बॉलीबाल, फुटबॉल, खो-खो तथा

कबड्डी जैसा रोमाचक खेल भी खेला जिसमे उनकी भरपूर ऊर्जा परिलक्षित हुयी इनडोर गेम में विद्यार्थियों ने बैडमिंटन, टेबल-टेनिस तथा शतरंज प्रतियोगिता में पूर्ण मेधा एवं मनोयोग से प्रतिभाग किया संस्था सचिव राहुल सिंह तथा निदेशिका डा0 वन्दना सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों में हार के कारणों को समझते हुए जीतने की क्षमता विकसित होती है तथा शारीरिक व मानसिक शक्ति के साथ-साथ धैर्य और सहनशीलता की भावना भी विकसित होती है संस्था की प्रधानाचार्या डा0 नीलम सिंह जी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है विद्यालय विभिन्न स्पोर्ट्स क्लब के माध्यम से इस क्षेत्र में अपना पूर्ण प्रयास कर रहा है सम्पूर्ण प्रतियोगिता फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंन्ट के विभागाध्यक्ष के. एन. सिंह के नेतृत्व में सभी शिक्षको के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुई।

केआईटी वाराणसी में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाई गई

प्रखर वाराणसी। काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मेजर ध्यानचंद का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डॉ आशुतोष मिश्रा डायरेक्टर फामेर्सी और एक यादव डिप्टी डायरेक्टर टेक्नोलॉजी मौजूद रहे। उनकी मौजूदगी में मेजर ध्यानचंद जयंती का आयोजन किया गया सबसे पहले मेजर ध्यानचंद के फोटो पर माल्यार्पण करके हांकी मैच का शुभारंभ किया गया। हांकी मैच का आयोजन सरदार पटेल अकैडमी वाराणसी और काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के बीच हुआ। पूरा मैच खत्म होने तक काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी ने 3- 2 मैच को अपने कब्जे में किया। इसके अलावा काशी ग्रुप

ऑफ इंस्टिट्यूशन की स्पोर्ट्स कमेटी का भी घोषणा किया गया। स्पोर्ट्स सेक्रेट्री के पद पर नीतीश कुमार विश्वकर्मा को डायरेक्टर द्वारा अंग वस्त्र पहनकर के सम्मानित किया गया। डिप्टी स्पोर्ट्स सेक्रेट्री अखिलेश यादव को भी डायरेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से खिलाड़ियों में ढेर सारा उत्साह देखने को मिला। इस कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों में हिमांशु उपाध्याय, स्वरूप तिवारी, अमन सिंह, धीरज यादव, मौर्य खुशी, आकांक्षा मिश्रा, अभय, इम्तियाज अहमद आदि खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन में स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह ने उपस्थित सभी गणमन व्यक्तियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अमेरिका, आस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड के सैलानियों को गाजीपुर लेकर पहुंचा राजमहल क्रूज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ अंतरराष्ट्रीय सैलानियों को लेकर आज मंगलवार को गंगा नदी में भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी से चलकर कोलकाता जाने वाला आधुनिक सुविधा से लैस राज महल क्रूज गाजीपुर पहुंचा। गंगा नदी में बारह अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, यूके और न्यूजीलैंड के सैलानियों को लेकर आज सुबह यह क्रूज गंगा घाट पहुंचा, गंगा घाट से दस यात्रियों को प्राइवेट वाहनों द्वारा स्थानीय बाजार और मशहूर लॉर्ड कार्नवालिस के मकबरे ले जाकर क्रूज के साथ चल रहे भारत सरकार के टूरिस्ट गाइडों ने घुमाया और गाइड द्वारा यहां का इतिहास भी विदेशी सैलानियों को बताया गया। राज विलास क्रूज में सैलानियों के साथ चल रहे भारत सरकार पर्यटन विभाग के शुभांकर सेनगुप्ता ने बताया कि वाराणसी से कोलकाता तीन हफ्ते का टूर लेकर हमारा क्रूज 26 अगस्त को वाराणसी से चला है, इस बीच जल मार्ग से सैलानियों को तीन हफ्ते में गंगा के ऐतिहासिक तटवर्तीय इलाकों को घूमते हुए कोलकाता तक ले जाया जाएगा। इस मौके पर न्यूजीलैंड की विदेशी सैलानी एंजेला टुरी ने बताया कि उन्हें भारत घूमना हमेशा से पसंद था, ये एक प्राचीन संस्कृतियों वाला अच्छा देश है। यहां के लोग भी बहुत अच्छे हैं।

मेजर ध्यान चंद जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुआ वेबीनार का आयोजन

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। कुटीर पीजी कॉलेज चक्के में मेजर ध्यान चंद जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल की महत्ता विषय पर ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि खेल से धैर्य, सहिष्णुता, ईमानदारी, निष्ठा जैसे गुणों का विकास होता है। प्रोफेसर यतिद्र कुमार सिंह एवं डॉ रजनीश चंद्र त्रिपाठी ने छात्रों को खेल हमारे जीवन में क्यों जरूरी है और इससे जुड़ना कितना आवश्यक है इस पर विशेष रूप से चर्चा किया। वेबीनार में धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमरेश कुमार ने किया ऑनलाइन संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्रो की सहभागिता रही। वेबीनार का संचालन श्रीमती पूनम सिंह ने किया।

दुष्कर्म के मामले में युवक दोषमुक्त

अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने का था आरोप

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दोस्त बनकर अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपित को राहत मिल गई फास्ट ट्रैक कोर्ट (द्वितीय) अवधेश कुमार की अदालत ने मुकदमे के विचारण के दौरान दीनापुर, पटना (बिहार) निवासी आरोपित संतोष कुमार को आरोप सिद्ध न होने पर संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया` अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, बृजपाल सिंह यादव व चंद्रबली पटेल ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार वाराणसी जनपद की रहने वाली एक युवती पुणे से बीएससी कर रही थी उसी कालेज में दीनापुर, पटना (बिहार) निवासी आरोपित संतोष कुमार भी पढ़ता था` आरोप था कि पढ़ाई के दौरान आरोपित ने पीड़िता से दोस्ती की और नाइट आउट के बहाने हास्टल से बाहर ले जाकर उसे शराब पिलाकर उसके साथ अवैध संबंध बनाया और उसका अश्लील वीडियो व फोटो अपने मोबाइल में खींच लिया इसके बाद उसने पीड़िता की अश्लील वीडियो व

फोटो दिखाकर लोनावाला ले गया और वहां फिर जबरदस्ती दुष्कर्म किया इसके बाद पुनः 26 जनवरी 2020 को मुंबई एयरपोर्ट पर मिला और वहां से जबरदस्ती हास्टल ले जाकर फिर दुष्कर्म किया और मारापीटा` इस दौरान कोरोना में पीड़िता के वाराणसी आने पर वह भी आ गया और मेरे घर वालों को मेरी अश्लील वीडियो व फोटो दिखाने की धमकी देकर एक होटल में ले जाकर मुझे मारपीटकर फिर दुष्कर्म किया बाद में फरवरी 2021 को कालेज खुलने पर जब वहां गई तो उसके एक अन्य दोस्त ने बताया कि संतोष ने उसे उसकी अश्लील वीडियो व फोटो भेजता है इस पर जब उसने आरोपित से पूछा तो उसने उसकी अश्लील फोटो व वीडियो कालेज के दोस्तों के ग्रुप पर भेज दिया जिसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को सूचना दी और वाराणसी आकर उसके खिलाफ लालपुर-पांडेयपुर थाने में 20 फरवरी 2021 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी अदालत में विचारण के दौरान आरोप सिद्ध न होने पर अदालत ने आरोपित को साक्ष्य के आभाव में संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

उत्तर प्रदेश शिक्षक महासभा उ.प्र. ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय वाराणसी में धारा 18 एवं धारा 21 की बहाली हेतु किया धरना-प्रदर्शन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रबंध तंत्र द्वारा शिक्षकों के लगातार शोषण के खिलाफ, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों की सेवा सुरक्षा हेतु नये शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 के अंतर्गत अधिनियम 1982 की धारा 18 एवं धारा 21के अधिकारों को यथावत बनाए रखनें के लिए पुरानी पेंशन बहाली हेतु, प्रधानाचार्य नियुक्ति लिखित परीक्षा एवं आरक्षण व्यवस्था, शिक्षा विभाग में चिकित्सा भत्ता लागू कराने, कार्यालयों में सिटीजन चार्टर लागू कराने आदि मुद्दों को लेकर प्रांतीय आवाहन पर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय वाराणसी पर धरना -प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल, मुख्यमंत्री, माध्यमिक शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव माध्यमिक शिक्षा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा, शिक्षा निदेशक एवं

अध्यक्ष, शिक्षा सेवा चयन आयोग को सम्बोधित 25 सूत्रीय मांगपत्र जिला विद्यालय निरीक्षक वाराणसी को दिया गया धरना -प्रदर्शन में कुँवर जीत इलाहाबादी, प्रांतीय महामंत्री ने कहा कि अधिनियम 1982 की धारा 18 में कार्यवाहक प्रधानाचार्य को वेतन देने की व्यवस्था दी गई थी एवं धारा 21 में पूवार्नुमोदन के बिना प्रबंध तंत्र को किसी भी शिक्षक को निलंबित करने, वेतन वृद्धि रोकने, पदच्युत करने, किसी भी परिलब्धि में कटौती करने से रोकने की सेवा सुरक्षा दी गई थी जिसको नये शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 में समाप्त कर दिया गया है जिससे शिक्षक बहुत दुखी एवं आंदोलित होकर धरना -प्रदर्शन करने के लिए बाध्य हुए हैं। धरना -प्रदर्शन में मुख्य रूप से नीरज कुमार विमल जी, प्रांतीय संगठन मंत्री,हृदय राज कपूर जी, प्रांतीय मीडिया प्रभारी, सीताराम कबीर , प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य, सुबास सरोज, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य, शैलेन्द्र गौतम, मंडल महामंत्री,कौशल कन्नौजिया, मंडल कोषाध्यक्ष, सत्य प्रकाश पटेल, मंडल उपाध्यक्ष, सुजीत कुमार, जिलाध्यक्ष ,राम अवध कुमार ,जिला महामंत्री, योगेन्द्र सोनकर, जिला उपाध्यक्ष, प्रमोद कुमार, जिला कोषाध्यक्ष , धर्मेन्द्र प्रसाद, पुष्पचंद्र सागर, अमरमणि यादव , नीरज कुमार, भिक्षु डा. धम्मप्रिय , विनोद यादव, चंद्र प्रकाश गुप्त, अजय रेड्डी ,अरविंद सिंह पटेल आदि पदाधिकारीगण एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

त्रिपदा पब्लिक स्कूल ने मनाया हॉकी के जादूगर का जन्म दिवस

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गांगकला में स्थित त्रिपदा पब्लिक स्कूल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्म दिवस बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्रबंध निर्देशिका श्रीमती प्रमिला देवी ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। तथा बच्चों को मेजर ध्यानचंद जैसे प्रतिभावान व्यक्तित्व के गुणों को आत्मसात कराया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कन्हैया लाल पटेल ने खेल दिवस के अवसर पर बताया कि "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है"। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक पांडेय ने मेजर ध्यानचंद के जीवन इतिहास पर रोशनी डालते हुए बताया कि हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है,अन्य खेलों की तरह हॉकी को भी महत्व दिया जाना चाहिए तथा बच्चों के अंदर भी राष्ट्रीय खेल हॉकी के प्रति जागरूकता लानी चाहिए। प्रतिवर्ष 29 अगस्त(खेल दिवस)को सभी स्कूलों में बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए जिससे हम सभी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लोगों के दिलों में जीवंत रख सकें । विद्यालय के उप प्रबंधक प्रेमचंद सिंह ने बताया कि खेल के माध्यम से हम अपने शारीरिक एवं मानसिक स्तरों का विकास कर सकते हैं ।इस खेल

दिवस के अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्य शिव शंकर मौर्य सहित आरपी सिंह, जैनेंद्र सिंह, अनुज श्रीवास्तव, जितेंद्र पटेल, ज्ञान सिंह, अंबिका राय, संतारा वर्मा, ममता वर्मा ,अर्चना सिंह, राकेश चौबे, विनय दुबे, वंदना पटेल, सीमा कुमारी, विजय शंकर पाल, अजय उपाध्याय, नीरज वर्मा, अजीत कुमार, प्रमिला वर्मा ,शहरिन मैम, हंसा यादव ,नीरज उपाध्याय, रमाशंकर सिंह सहित समस्त अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने मनीष हत्याकांड का किया खुलासा, हत्या में प्रयुक्त अलाकत्ल बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना प्रभारी नंदगंज को सूचना मिली कि एक स्कार्पियो वाहन से उतरकर एक व्यक्ति व एक महिला मिलकर एक व्यक्ति की हत्या कर धामूपुर हाईवे के पास फेंककर भाग रहे हैं, कि सूचना पर थानाध्यक्ष नंदगंज, स्वाट, सर्विलांस टीम को अवगत कराते हुए मौके पर आये, जहाँ पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ था, पुलिस ने तत्परता से खोजबीन किया तो हत्या में सम्मिलित एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उसकी निशादेही से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल (लोहे की राड) व नशीला पेय पदार्थ भी बरामद किया, पूछताछ पर हत्या में सम्मिलित एक अभियुक्ता, जिसे मंगलवार को जंगीपुर तिराहा से गिरफ्तार किया गया पूछताछ पर दोनों ने बताया कि हम दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं। अभियुक्ता मीनू यादव पुत्री देवसरन यादव निवासी वैजलपुर, थाना मोहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर ने बताया गया कि मनीष कुमार यादव पुत्र गुलाब चन्द्र यादव उम्र करीब 26 वर्ष नि0 ग्राम तरांव थाना भाँवरकोल जनपद गाजीपुर जिससे मैं पहले से प्यार करती थी, अब उससे मेरा सम्बन्ध नहीं था। फिर भी मुझे ब्लैकमेल करता था, धमकी देता था। उसे रास्ते से हटाने के लिए हम लोग 02 दिन पहले से योजना बनाकर अभियुक्त राजेश यादव उर्फ दीपक यादव पुत्र इन्द्रजीत यादव निवासी गोसन्देपुर सल्लारपुर, थाना करण्डा जनपद गाजीपुर के चार पहिया वाहन से बनारस से साथ लेकर हत्या करने की नियत से निकले, नशीला पदार्थ पिलाना चाहा, किन्तु वह नहीं पिया। अंत में नंदगंज हाईवे पर आकर हम दोनों ने मनीष की राड से मार-मार कर हत्या कर दी।

संयुक्त व्यापार मंडल वरुणापार ने किया पूर्व विधायक अजय राय का सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संयुक्त व्यापार मंडल वरुणापार के पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक अजय राय का सम्मान चेतगंज स्थित उनके निजी आवाज पर कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाए जाने के उपलक्ष्य में किया` अजय राय ने व्यापारियों को भरोसा दिया कि उनकी जो भी समस्या होगी संगठन के माध्यम से विधानसभा एवं लोकसभा में उठायी जाएगी और हर संभव मदद किया जाएगा। इस अवसर पर भोजूबीर व्यापार मंडल के संरक्षक आनंद सोनकर, महामंत्री मुन्ना मौर्या, मीरापुर बसही व्यापार मंडल के प्रधान संरक्षक महेश्वर सिंह ,वाराणसी सरार्फा व्यापार मंडल के अध्यक्ष किशन सेठ, व्यापारी संजय गुप्ता, अजय दिनेश के साथ इत्यादि व्यापारीगण मौजूद थे।

बाबा कीनाराम गेट का हुआ भूमि पूजन

प्रखर चंदवक जौनपुर। चंदवक स्थानीय थाना क्षेत्र के हरिहरपुर मुख्य रोड का किया गया भूमिपूजन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि के. डी सिंह उर्फ अजय प्रकाश सिंह द्वारा हरिहरपुर किनाराम रोड के गेट का किया भूमिपूजन। इस मौके पर वाराणसी पडाव के मठ के पुजारी शिवपुजन सिंह द्वारा किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में के. डी. सिंह उर्फ अजय प्रकाश सिंह डोभी ब्लॉक प्रतिनिधि .गोपाल उपाध्याय. ग्राम प्रधान गीता यादव पत्नी चंद्रीका यादव रामजीत यादव ग्राम प्रधान हटवा .धीरु सिंह ग्राम प्रधान बरमलपुर. बबलू सिंह डोभी .सुनील सिंह ,अजीत कुमार एडीओ पंचायत डोभी, सुबाष यादव, प्रमोद यादव,कमरूद्दीन अंसारी पंन्ना सोनकर के साथ साथ हजारों की संख्या में लोग रहे मौजूद।

जांच अभियान तेज, 8 दुकानों से लिये मिठाइयों के 9 नमूने

बलिया। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए सहायक आयुक्त द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन वेद प्रकाश मिश्र के निर्देशन में मिठाइयों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए अभियान और तेज हो गया है। अभियान के तहत मंगलवार को जांच टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से अलग-अलग आठ दुकानों से संदिग्ध मिठाइयों के नव नमूने लिये। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डीके राय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव, अनिल कुमार यादव व राकेश कुमार यादव की जांच टीम सँवरा, रसड़ा, नगरा व सिकन्दरपुर के बाजारों में पहुंची। टीम अलग अलग कुल आठ दुकानों पर पहुंची सभी मिठाइयों को परखा। संदिग्ध प्रतीत हो रही 9 मिठाइयों के नमूनों को जांच के संग्रहित किया गया।

जे ब्लश ब्यूटी पार्लर एवं मेकअप स्टूडियो का हुआ शुभारंभ

बलिया। नगर क्षेत्र के गड़वार रोड में जे ब्लश ब्यूटी पार्लर एवं मेकअप स्टूडियो का हुआ शुभारंभ । मुख्य अतिथि में जे ब्लश के ओनर की माता आसमा खातून ने ब्यूटी पार्लर एवं मेकअप स्टूडियो का फीता काटकर शुभारंभ किया साथ ही अपने पुत्र और बधू को इस व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने की सलाह दी और उनके व्यावसायिक मंगल भविष्य की कामना की । बता दे की दिल्ली से एक वर्ष का अनुभव और ट्रेनिंग करने पश्चात ही जेबा खान ने ब्यूटी पार्लर शॉप खोली है। ओनर इमाम खान ने बताया की जे ब्लश ब्यूटी पार्लर में अन्य ब्यूटी पार्लरों के अपेक्षा आधे पैसों में महिलाएं ब्यूटीशियन से संबंधित सभी कार्य करवा सकती है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं